NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित
वर्ष: 15 अंक: 213 लखनऊ, शुक्रवार 27 मार्च 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

इरान संघर्ष को लेकर पीएम मोदी एक्शन में, कल मुख्यमंत्रियों संग करेंगे बैठक

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक संघर्ष के बीच देश की तैयारियों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे, जिसका उद्देश्य श्टीम इंडियाश की भावना से प्रयासों का समन्वय करना है। आचार संहिता के कारण चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं होंगे, उनके लिए मुख्य सचिवों के साथ एक अलग सत्र आयोजित किया जाएगा। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वार्ता करेंगे ताकि देश की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की जा सके, क्योंकि संघर्ष चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। बैठक में श्टीम इंडियाश की भावना से प्रयासों में तालमेल सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। हालांकि, जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां के सीएम आचार संहिता (एमसीसी) के कारण बैठक का हिस्सा नहीं होंगे। हालांकि, चुनाव वाले सभी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए जल्द ही एक अलग बैठक आयोजित की जाएगी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम तथा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव होंगे। केरल, असम और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। चर्चाओं में आकस्मिक योजना और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आंतरिक स्थिरता बनाए रखने के विषय भी शामिल हो सकते हैं। वर्तमान में चुनाव करा रहे राज्य आदर्श

आचार संहिता के कारण इसमें भाग नहीं लेंगे, और योजना एवं प्रतिक्रिया तंत्र में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बातचीत की जाएगी।

मध्य पूर्व संघर्ष के बीच बोले मुख्यमंत्री योगी- दुनिया में अराजकता, पीएम मोदी के राज में भारत सुरक्षित

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मध्य पूर्व संघर्ष से उत्पन्न वैश्विक अस्थिरता के बीच प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत सुरक्षित और प्रगतिशील है। उन्होंने वैश्विक उथल–पुथल के दौरान राष्ट्रीय एकता और सरकार के साथ सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मध्य पूर्व में चल रहे संघर्षों विशेष रूप से ईरान, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे युद्धों के वैश्विक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच, और ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध से पूरा मध्य पूर्व प्रभावित है और लगभग पूरी दुनिया प्रभावित है। आदित्यनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि लेकिन दुनिया में अफरा–तफरी मची हुई हैय अव्यवस्था और अराजकता फैली हुई है। भारत में, प्रधानमंत्री के शानदार और गौरवशाली नेतृत्व में, हम सुरक्षित हैं और निडर होकर विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के लोगों से संभावित चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने का आग्रह किया और राष्ट्रीय संकट के समय सरकार के साथ एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा आती है या कोई चुनौती उत्पन्न होती है, तो उसका सामना करने के लिए व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है। जब हम किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं, तो परिणाम हम सबके सामने होते हैं। हमारी देशभक्ति इसी से परिभाषित होगी कि यदि सरकार ने देश के हित में कोई कदम उठाया है, तो हम उसके लिए स्वयं को तैयार रखें।खाना पकाने के गैस सिलेंडरों से संबंधित चिंताओं को दूर करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि लाइन में लगने की कोई जरूरत

नहीं है। उन्होंने सलाह दी कि युद्ध से पहले, अगर किसी के घर में एक गैस सिलेंडर एक महीने तक चलता था, तो आज वह पांचवें या छठे दिन सिलेंडर लेने के लिए क्यों दौड़ रहा है? सुनिए, जब आपकी बारी आने वाली हो, तो उससे तीन या पांच दिन पहले जाकर अपना पंजीकरण करवा लें, और खाना पकाने की गैस आपके घर पहुंच जाएगी। अफवाहें फैलाने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कुछ लोग अफवाहें फैलाकर माहौल खराब करना चाहते हैं। कुछ लोग अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने गलत सूचनाओं से बचने के महत्व पर जोर दिया और जनता से शांत रहने का आग्रह किया। योगी आदित्यनाथ ने भारत के ऊर्जा भविष्य की रूपरेखा भी प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने हरित हाइड्रोजन ऊर्जा और जापान के साथ तकनीकी सहयोग पर बल दिया। उन्होंने ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों का जिक्र करते हुए कहा, ”हरित हाइड्रोजन ऊर्जा एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु कुलपति प्रो डॉ. हिमांशु ऐरन ”लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड“ से सम्मानित

राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन समारोह में कुलपति डॉ. ऐरन का संदेश-मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स से सटीक चिकित्सा की नई दिशा।

विजडम इंडिया।

ऋषिकेश, 25 मार्च। पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर, ऋषिकेश में आयोजित पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, सम्मेलन एवं फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) का भव्य समापन हुआ, जिसमें रासबिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति डॉ. हिमांशु ऐरन को उनके चिकित्सा एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ”लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड“ से सम्मानित किया

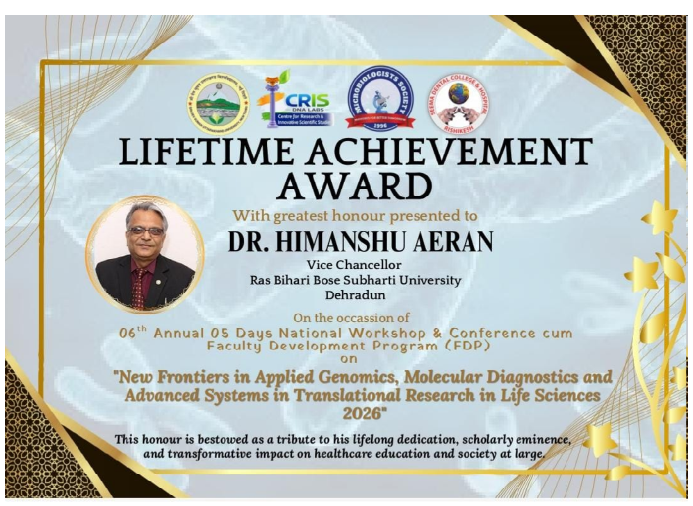

गया।

यह कार्यक्रम ”न्यू फ्रंटियर इन एप्लाइड जीनोमिक्स, मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड एडवांस्ड सिस्टम्स इन ट्रांसलेशनल रिसर्च इन लाइफ साइंस – 2026“ विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से लगभग 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. हिमांशु ऐरन ने कहा कि मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स आधुनिक चिकित्सा का आधार बन चुका है, जो जीन स्तर पर रोगों की पहचान कर सटीक और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को इस क्षेत्र में नवाचार और शोध को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण की वैज्ञानिक डॉ. अवतार कौर सिधू ने इसे वैज्ञानिक कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। वहीं आयोजन अध्यक्ष प्रो. गुलशन कुमार ढींगरा ने देशभर से आए प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की।

डीएनए लैब्स (CRIS) के प्रबंध निदेशक डॉ. नरोत्तम शर्मा ने ”विकसित भारत“ के लक्ष्य को रेखांकित करते हुए युवाओं से रोजगार खोजने के बजाय रोजगार सृजक बनने का आह्वान किया।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को जीनोमिक्स, मॉलेक्यूलर डायग्नोस्टिक्स, डीएनए तकनीक, डेटा विश्लेषण एवं आधुनिक वैज्ञानिक विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शोधार्थियों और फैकल्टी के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

समापन अवसर पर विज्ञान एवं चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग 26 शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों को सम्मानित किया गया, वहीं पोस्टर एवं मौखिक प्रस्तुतिकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. हिमांशु ऐरन की दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता, शैक्षणिक उत्कृष्टता और समाज के प्रति उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया, जिसने पूरे आयोजन को गौरवपूर्ण बना दिया।

एलपीजी संकट पर अखिलेश यादव का बीजेपी पर तंज, एक कचौरी, एक समोसा... अब गैस पर नहीं भरोसा

संवाददाता।

लखनऊ। अखिलेश यादव ने बीजेपी की सामाजिक समझ पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो एआई का पूरा नाम नहीं जानते, वे पीडीए का दर्द और अपमान नहीं समझ सकते। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी पीडीए को सम्मान दिलाने और उन्हें एकजुट करने के लिए काम कर रही है, क्योंकि पीड़ा बढ़ने से पीडीए का विस्तार होगा। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की कमी की खबरों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों ने नागरिकों, विशेषकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों पर बोझ डाला है और उन्हें कठिनाइयों में धकेल दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कतारों के सिवा कुछ नहीं दिया। उनका जो भी फैसला होता है, उससे मैं, आप और हर कोई एक कतार में खड़ा हो जाता है। लेकिन इस बार जनता ने भी ठान लिया है कि कतार में खड़े होकर ही वे उन्हें हराएंगे। और इसीलिए वे सार्वजनिक स्थानों पर स्नेह प्रदर्शन से डर रहे हैं। अखिलेश ने आगे कहा कि एक कचौरी, एक समोसा अब गैस पर भरोसा नहीं रहा और एलपीजी को श्लपाता गैसश करार दिया। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी की सामाजिक मुद्दों की समझ की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग एआई का पूरा नाम ही नहीं जानते, वे पीडीए को कैसे समझेंगे? वे पीडीए के दर्द और पीड़ा को कैसे समझेंगे? वे उनके अपमान को कैसे समझेंगे? वे उनकी परेशानियों को कैसे समझेंगे? पीड़ा जितनी बढ़ेगी, पीडीए उतना ही बढ़ता रहेगा।यादव ने आगे कहा कि उनकी पार्टी पीडीए के मुद्दे पर लोगों को एकजुट करने के लिए काम कर रही है, और कहा कि इसलिए, पीडीए के लोगों को सम्मान दिलाने के लिए, हम समाजवादी लोग पीडीए के लोगों को

एकजुट करके आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा की चुनावी रणनीतियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और कहा कि शायद यह दुनिया की पहली राजनीतिक पार्टी है जो किसी की छवि को धूमिल करने के लिए पैसा खर्च करती है। भारतीय जनता पार्टी के लोग छवि खराब करने के लिए अरबों रुपये खर्च कर रहे हैं। और लोगों से अपनी प्रशंसा पाने के लिए वे प्रोत्साहन राशि बांट रहे हैं। प्रोत्साहन राशि खत्म होते ही लोग प्रशंसा करना बंद कर देंगे। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने कल्याणकारी उपायों की एक लंबी सूची प्रस्तुत की और महिला आरक्षण तथा जाति आधारित अधिकारों पर पार्टी के रुख को दोहराया। यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का यह निर्णय आधी आबादी के लिए है। जहां भी समाजवादी पेंशन योजना शुरू होगी, वहां लैपटॉप दिए जाएंगे और साथ ही गरीब परिवारों को सम्मान के प्रतीक के रूप में 40,000 रुपये देने की योजना भी शुरू की जाएगी। सम्मान समृद्धि योजना और स्त्री सम्मान योजना को समाजवादी सरकार के कार्यकाल में ही लागू किया जाएगा।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और पत्नी को कोर्ट का समन, जमीन घोटाले की फाइल फिर खुली

एजेंसी।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) भूमि आवंटन मामले में लोकायुक्त की बी रिपोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य को नोटिस जारी किया है। इस मामले में आरोप है कि सिद्धारमैया की पत्नी को मुआवजे के तौर पर उनकी अधिग्रहित जमीन से अधिक मूल्य की भूमि आवंटित की गई थी, जिसे लोकायुक्त पुलिस ने सबूतों के अभाव में बंद कर दिया था। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गुरुवार, 26 मार्च को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनकी पत्नी को नोटिस जारी किया। यह नोटिस जन प्रतिनिधि सभा की विशेष अदालत द्वारा मैसूर शहरी विकास

प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले के मामले में बी रिपोर्ट स्वीकार करने की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका के संबंध में जारी किया गया है। न्यायमूर्ति एस सुनील दत्त यादव की एकल पीठ ने मैसूर लोकायुक्त, प्रवर्तन निदेशालय के पुलिस अधीक्षक, सिद्धारमैया के बहनोई मैदुना मल्लिकार्जुन स्वामी, एमयूडीए के पूर्व आयुक्त जीटी दिनेश कुमार और मामले में विवादित भूमि के मालिक जे देवराजू को भी नोटिस जारी किया। लोकायुक्त पुलिस ने पहले श्सबूतों की कमीश का हवाला देते हुए सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ श्बीश रिपोर्ट दाखिल की थी। शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने इस रिपोर्ट को चुनौती दी है। 28 जनवरी को निचली अदालत ने कथित घोटाले में कर्नाटक लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक द्वारा दाखिल की गई श्बीश रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। लोकायुक्त पुलिस द्वारा दायर ‘बी–रिपोर्ट’ को चुनौती देने वाली कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एस. सुनील दत्त यादव ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया। एमयूडीए मामले में, आरोप है कि सिद्धरमैया की पत्नी को मैसूरु के एक पॉश इलाके में मुआवजे के तौर पर जमीन आवंटित की गई थी, जिसका मूल्य प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित उनकी जमीन से अधिक है। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ जमीन के बदले 50रू50 के अनुपात में भूखंड आवंटित किये थे, जिस पर प्राधिकरण ने एक आवासीय परियोजना विकसित की थी। इस योजना के तहत, एमयूडीए आवासीय परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले भूस्वामियों को विकसित भूमि का 50 प्रतिशत हिस्सा आवंटित करता है। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धरमैया, उनकी पत्नी और उनके साले के खिलाफ इस सिलसिले में मामला दर्ज किया था। लोकायुक्त पुलिस ने बाद में ‘क्लोजर रिपोर्ट’ दाखिल करके उन्हें क्लीन चिट दे दी, जिसे 28 जनवरी को जन प्रतिनिधियों से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत ने स्वीकार कर लिया।

2047 तक विकसित भारत के लिए हर नागरिक तय करे अपना ‘आत्म लक्ष्य’ - ए.के. शर्मा

संवाददाता। भदोही,लखनऊ । ए. के. शर्मा ने जनपद भदोही के जीआईसी ग्राउंड (ज्ञानपुर) में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। अपने संबोधन में उन्होंने प्रत्येक नागरिक को अगले दस वर्षों के लिए अपना ‘आत्म लक्ष्य’ निर्धारित करने और उसे प्राप्त करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय पीछे मुड़कर देखने का नहीं, बल्कि आगे बढ़कर बड़ी छलांग लगाने का है। वर्ष 2047 तक देश और प्रदेश को विकसित बनाने के लिए गांव, तहसील, ब्लॉक और प्रत्येक नागरिक को मिलकर प्रयास करना होगा। इस अभिनव पहल को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि उपस्थित जनसमूह ने भी आत्म लक्ष्य प्राप्ति का संकल्प लिया।अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में हर नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है और इसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब हर व्यक्ति अपने लक्ष्य को लेकर संकल्पित होगा, तभी प्रदेश और देश तेजी से प्रगति करेगा। इस दौरान उन्होंने नरेंद्र मोदी एवं योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व विकास किया है। सड़क, बिजली, ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि, आवास और कानून व्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं और प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से निकलकर अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, सांसद विनोद बिंद, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर तथा ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से रखा।

बीबीएयू में गुजरात के श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल के साथ शैक्षणिक सहयोग पर हुई महत्वपूर्ण बैठक

लखनऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय, गोधरा (गुजरात) के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अहम बैठक की। इस दौरान श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. अनिल सोलंकी, प्रो. जिग्नेश रावल, प्रो. अशोर, प्रो. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अखिल मित्तल तथा डॉ. हेमेन्द्र सिंह के साथ बीबीएयू के डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. विक्टर बाबू, कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, आईक्यूएसी निदेशक प्रो. शिल्पी वर्मा तथा रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रो. शिशिर कुमार मौजूद रहे।बैठक के दौरान कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रतिनिधिमंडल को समाजोन्मुख अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता संकाय सदस्यों के क्षमता निर्माण पर निर्भर करती है, क्योंकि वही जमीनी स्तर पर योजनाओं को लागू करते हैं। बेहतर शिक्षण–अधिगम के लिए छात्र–केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाने पर भी बल दिया गया। साथ ही अधिक स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों के साथ सहयोग विकसित करने का सुझाव दिया गया।प्रतिनिधिमंडल ने बीबीएयू के नैक निरीक्षण के द्वितीय चक्र प्रत्यायन की सराहना करते हुए बताया कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की श्रेष्ठ प्रथाओं को सीखना और उन्हें अपने संस्थान में लागू करना है। उन्होंने कहा कि बीबीएयू को एनआईआरएफ रैंकिंग और नैक प्रत्यायन में अच्छा स्थान प्राप्त है, जो अन्य संस्थानों के लिए प्रेरणादायक है। इस दौरान वित्त अधिकारी डॉ. ए. के. मोहंती, रजिस्ट्रार डॉ. अश्विनी कुमार सिंह तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. विक्रम सिंह यादव से भी संवाद किया गया।आईक्यूएसी निदेशक प्रो. शिल्पी वर्मा ने वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट प्रस्तुतिकरण, एसएसआर जमा करने की प्रक्रिया, एसएसएस, डीवीवी तथा पीटीवी से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नैक चक्र–1 से नैक चक्र–2 तक विश्वविद्यालय की यात्रा तथा इस दौरान सामने आई चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रो. शिशिर कुमार ने अनुसंधान सुविधाओं, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) तथा इन्क्यूबेशन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

मां के शक्तिपीठों में महाअष्टमी पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

मां महागौरी की आराधना, आज से शुरू हुआ कन्या पूजन

प्रयागराज(आरएनएस)। चौत्र नवरात्रि की महाअष्टमी के पावन अवसर पर भक्त शक्ति की भक्ति में सराबोर नजर आये। ब्रह्म मुहूर्त से ही शहर के प्राचीन शक्तिपीठों और देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। आदि शक्तिपीठ अलोप शंकरी, ललिता देवी और कल्याणी देवी मंदिरों में भोर से ही श्जय माता दीश के उद्घोष गूंजते रहे।आदि शक्तिपीठ अलोप शंकरी देवी मंदिर में महाष्टमी पर माता का अद्भुत श्रृंगार किया गया। भोर में विशेष आरती के बाद जैसे ही मंदिर के पट आम भक्तों के लिए खोले गए, दर्शन के लिए होड़ लग गई। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में नारियल, चुनरी, फल और मिष्ठान्न अर्पित कर सुख–समृद्धि की कामना की। भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की भारी तैनाती की गई थी।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस वर्ष महाअष्टमी पर सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का दुर्लभ संयोग बना, जिससे पूजा–अर्चना का फल कई गुना बढ़ गया। अष्टमी तिथि 25 मार्च की दोपहर 1रू51 बजे शुरू होकर 26 मार्च की सुबह 11रू49 बजे तक रही, जिसके चलते भोर से ही पूजन का विशेष महत्व देखा गया। मां दुर्गा के आठवें स्वरूप, मां महागौरी की आराधना के लिए भक्तों में भारी उत्साह रहा।

महाअष्टमी पर आज घर–घर में कन्या पूजन (कंजक) की धूम रही। अष्टमी का व्रत रखने वाले भक्तों ने नौ छोटी कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनके पैर पखारे और उन्हें हलवा–पूरी व चने का प्रसाद ग्रहण कराया। तिथि के विस्तार के कारण कई श्रद्धालु 27 मार्च को महानवमी के अवसर पर भी कन्या पूजन करेंगे।

भीड़ के मद्देनजर प्रयागराज पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। शक्तिपीठों के साथ–साथ शहर के अन्य प्रमुख चौराहों पर भी पैनी नजर रखी गई। मंदिरों के बाहर लंबी कतारों को देखते हुए बैरिकेडिंग की गई और सादे कपड़ों में भी पुलिस बल तैनात रहा।

भाजपा झूठे प्रचार और फर्जी एमओयू की राजनीति कर रही, सभी एमओयू की जांच हो-अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। अखिलेश यादव ने भाजपा पर झूठे प्रचार और फर्जी एमओयू करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश में हुए सभी एमओयू की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठे प्रचार और इवेंट पर चलने वाली पार्टी है, जो जनता को धोखा देने और माहौल बनाने के लिए कंपनियों से फर्जी एमओयू करती है।बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि हाल ही में हुए एक एमओयू को लेकर पूरे देश में भाजपा सरकार की चर्चा हुई, जिससे इस सरकार की सच्चाई सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जिन कंपनियों से एमओयू कर रही है, उनका कोई मजबूत वित्तीय बैकग्राउंड नहीं है। भाजपा झूठे प्रचार पर चलती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हिटलर के समय जर्मनी में केवल एक प्रोपेगेंडा मिनिस्टर होता था, लेकिन भाजपा सरकार में केन्द्र और प्रदेश के सभी मंत्री खुद को प्रोपेगेंडा मिनिस्टर समझते हैं और झूठ बोलने में लगे हैं।रसोई गैस और पेट्रोल की किल्लत को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता को लाइन के सिवा कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि जनता की परेशानियों को दूर करने के लिए सरकार ने कोई ठोस तैयारी नहीं की, बल्कि 14.2 किलो के सिलेंडर को 10 किलो का कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के फैसलों ने लोगों को बार–बार लाइन में खड़ा किया है, लेकिन इस बार जनता लाइन में लगकर भाजपा का सफाया करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए से घबराई हुई है और पीडीए का दर्द नहीं समझ सकती।अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए के लोगों को सम्मान दिलाने के लिए समाजवादी लोग उन्हें जोड़कर आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र और प्रदेश सरकार एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को समझने में भी पीछे है और इस क्षेत्र में कोई प्रभावी प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर एआई का उपयोग खेती, किसानी और किसानों की भलाई के लिए किया जाएगा, जिससे समय रहते कई समस्याओं का अनुमान लगाया जा सकेगा।उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह नकारात्मक सोच की पार्टी है और दूसरे नेताओं की छवि खराब करने के लिए धन खर्च करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण एलपीजी सिलेंडर आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है। समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता जनता को नकली लोगों और फर्जी एमओयू से सावधान करना है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने पूजनीय शंकराचार्य का अपमान किया और उनके खिलाफ साजिश की, ऐसे षड्यंत्रकारियों से जनता को सावधान रहने की जरूरत है।संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के मुद्दे पर अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का स्पष्ट मत है कि महिला आरक्षण लागू किया जाए, लेकिन उसमें पिछड़ी, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी महिलाओं को भी उनका उचित हक और सम्मान मिलना चाहिए।दादरी में समाजवादी पार्टी की प्रस्तावित रैली को लेकर उन्होंने कहा कि उस क्षेत्र से पार्टी ने कई नेताओं को राज्यसभा और विधान परिषद में भेजा है और आगामी विधानसभा चुनाव में उसी क्षेत्र से सबसे बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद है।वैश्विक संकट और अंतरराष्ट्रीय हालात पर टिप्पणी करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भारत के पास वर्तमान वैश्विक संकट को समाप्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर था, लेकिन सरकार ने वह मौका गंवा दिया। उन्होंने कहा कि जिन दो देशों के बीच युद्ध चल रहा है, उनसे भारत के पुराने व्यापारिक संबंध रहे हैं और भारत की बात पूरी दुनिया में सुनी जाती है, लेकिन भाजपा सरकार के कारण भारत विश्वगुरु बनने का अवसर खो बैठा। एक प्रश्न के उत्तर में अखिलेश यादव ने रुक्मिणी देवी निषाद को समाजवादी महिला सभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि वह आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं और लंबे समय से समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ी रही हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

इलेक्ट्रिक प्रेस से सिर पर वार कर की पत्नी की हत्या

5 घंटे बैठा रहा तड़पती पत्नी के पास, पति गिरफ्तार

प्रयागराज(आरएनएस)। झूंसी थाना क्षेत्र में बुधवार रात पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पति ने इलेक्ट्रिक प्रेस से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ 8 वार किए। इससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी। करीब 5 घंटे तक वह पत्नी को तड़पता देखता रहा। जब पत्नी की सांस थम गई। तब उसने गुरुवार सुबह करीब 6 बजे पुलिस को फोन किया। बोला– मैंने अपनी पत्नी का मर्डर कर दिया है। लाश घर पर है। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी पति पत्नी की लाश के सामने बैठा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार झूंसी थाना क्षेत्र के चमनगंज बाजार निवासी हेमंत कुमार वर्मा ने बताया कि पंजाब के गुरदासपुर निवासी स्वीटा से उसका अफेयर था। 12 नवंबर 2021 में दोनों ने लव मैरिज कर ली। मेरी एक 2 साल की बेटी भी है। शादी के बाद से ही स्वीटा मुझ पर अलग रहने का दबाव बनाने लगी। मैंने उससे कहा कि मेरे पिता की मौत हो चुकी है। मां और बहन ही तो परिवार में हैं। मैं अकेला घर का कमाने वाला हूं। अगर मैं छोड़कर चला गया तो वह लोग कैसे रहेंगे। उनका ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। मगर वह नहीं मानी। आए दिन वह झगड़ा करती। मेरे साथ भी मारपीट करती थी।पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि बुधवार रात भी हम दोनों के बीच इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। उसने मुझ पर हाथ उठा दिया। मेरे साथ मारपीट करने लगी। तभी मैंने आयरन प्रेस से उसके सिर पर वार कर दिया। इससे वह मर गई।

जब तक वह मर नहीं गई, मैं वहीं बैठा रहा। सुबह 6 बजे उसने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंस्पेक्टर शिवकुमार सिंह हुए अति विशिष्ट रेल सेवा पदक से सम्मानित

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर मध्य रेलवे ने निरीक्षक शिवकुमार सिंह को अति विशिष्ट रेल सेवा पदक से सम्मानित किए हैं। यह सम्मान एवं प्रमाण पत्र इंस्पेक्टर शिवकुमार सिंह को बीते 2024–25 के दौरान प्रयागराज जंक्शन पर बतौर आरपीएफ इंस्पेक्टर तैनाती के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्यों को देखते हुए सम्मानित किया गया है। वर्तमान में वह आरपीएफ क्राईम ब्रांच इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं।

प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक शिवकुमार सिंह को महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह, अपर महाप्रबंधक जे एस लकड़ा, आईजी आरपीएफ प्रदीप कुमार गुप्ता एवं प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी मुदित चंद्र ने उत्तर मध्य रेलवे की ओर से अति विशिष्ट रेल सेवा पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किए हैं। बता दें कि वर्ष 2024–25 के दौरान शिव कुमार सिंह प्रयागराज जंक्शन पर आरपीएफ इंस्पेक्टर पद पर तैनाती थी। इस दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों के अंतर्गत किडनैप किए गए तीन बच्चों को सकुशल बरामद किया गया तथा हत्या के मामले में हत्यारोपी को गिरफ्तार किया गया। जहर खुरानी करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। मानव तस्करी मामले में 99 नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू कर चाइल्ड लाइन को सुपुर्द किया गया तथा 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा गया। तीन नशे के सौदागरों को तस्करी के मामले में 34 किलो ग्राम अवैध गांजा जिसकी कीमत 6 लाख 75 हजार बरामद किया गया। 13 अवैध शराब तस्करी के मामले में 3 लाख 39 हजार 290 रुपए मूल्य की अवैध शराब बरामद की गई।

यात्री सामान चोरी के 66 मामले के आरोपियों को गिरफ्तार कर छोरी के सामान बरामद किया गया। 17 अवैध टिकट दलालों एवं 872 अवैध वेंडर सहित कुल 1986 मामलों में रेलवे एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमें दर्ज कर संबंधित लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायालय के माध्यम से 16 लाख 83 हजार 335 रुपए जुर्माना कराया गया। आरपीयूपी एक्ट के कुल 20 मामलों में सभी आरोपियों सहित रिसीवरों को गिरफ्तार कर संपूर्ण रेलवे संपत्ति बरामद की गई।

दीनदयाल नगर में कलेक्शन लेकर जा रहे युवक से लूट, विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला

लखनऊ(आरएनएस)। थाना मदेयगंज क्षेत्र में देर रात कलेक्शन की धनराशि लेकर जा रहे युवक से लूट की घटना सामने आई है। घटना 25 मार्च 2026 को रात करीब 23रू28 बजे दीनदयाल नगर स्थित तरन्नुम मार्केट गली में हुई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मदेयगंज पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।प्रारंभिक पूछताछ में पीड़ित हर्ष जायसवाल पुत्र संजय कुमार जायसवाल निवासी सराय प्रेमराज, थाना काकोरी ने बताया कि वह मनीष जायसवाल निवासी दीनदयाल नगर खदरा, थाना मदेयगंज की स्वामित्व वाली शराब दुकानों से प्रतिदिन बिक्री की धनराशि उनके आवास तक पहुंचाने का कार्य करता है।बताया गया कि 25 मार्च की देर रात वह रोज की तरह बिक्री की धनराशि लेकर अपनी स्पलेण्डर मोटरसाइकिल से जा रहा था। जैसे ही वह दीनदयाल नगर की तरन्नुम वाली गली में पहुंचा, वहां पहले से घात लगाए बैठे चार अज्ञात बदमाशों ने उसे रोक लिया और कलेक्शन से भरा बैग छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसे चोट लग गई। घटना के बाद सभी बदमाश मोटरसाइकिलों से फरार हो गए। घायल का प्राथमिक उपचार कराया गया है और उसकी स्थिति सामान्य बताई गई है।इस मामले में पीड़ित हर्ष जायसवाल की तहरीर के आधार पर थाना मदेयगंज में मु0अ0सं0 38ध2026, धारा 309(6) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। घटना की सूचना पर पुलिस उपायुक्त मध्य, अपर पुलिस उपायुक्त मध्य तथा सहायक पुलिस आयुक्त महानगर द्वारा सर्विलांस टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। मौके से साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन परीक्षण किया जा रहा है।

यूपी बोर्ड मूल्यांकन में सामने आया सामूहिक नकल का मामला

ए-कॉपी काटकर बी-कॉपी नत्थी, सचिव ने दिए जांच के आदेश

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के मूल्यांकन के दौरान सामूहिक नकल का मामला सामने आया है। प्रयागराज के करछना स्थित एक परीक्षा केंद्र की कॉपियों में बड़े स्तर पर गड़बड़ी पकड़ी गई है। इसके बाद यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने उच्च स्तरीय जांच और कॉपियों की श्स्क्रीनिंगश के सख्त आदेश जारी किए हैं।

यह मामला अलीगढ़ जिले के नौरंगी लाल इंटरमीडिएट कॉलेज मूल्यांकन केंद्र पर सामने आया। यहां प्रयागराज के पं. अनंतराम पाण्डेय इंटरमीडिएट कॉलेज, लेहारी, बसही, करछना की इंटर रसायन विज्ञान और इतिहास विषय की कॉपियों का मूल्यांकन चल रहा था। मूल्यांकन के दौरान परीक्षकों ने पाया कि अभ्यर्थियों की मुख्य श्ए–कॉपीश में लिखे गए उत्तरों को जानबूझकर काट दिया गया था। इसके स्थान पर अलग से लिखी गई श्बी–कॉपीश नत्थी की गई थी, जिसमें सभी उत्तर सही–सही लिखे गए थे।

प्रथम दृष्टया स्पष्ट हुआ कि कॉपियों को परीक्षा केंद्र पर या बाद में बाहर से लिखकर जोड़ा गया है, जो सीधे तौर पर सामूहिक नकल की ओर इशारा करता है।

मूल्यांकन में लगे शिक्षकों ने तत्काल इसकी लिखित सूचना उचित माध्यम से यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह को दी। सचिव ने इसे गंभीर कदाचार मानते हुए प्रयागराज के डीआईओएस पी.एन. सिंह और सभी अपर सचिवों को निर्देशित किया है।

निर्देशों के अनुसार, इस केंद्र की कॉपियों की मैपिंग की जाएगी और जहां–जहां मूल्यांकन हो रहा है, वहां सघन स्क्रीनिंग की जाएगी। साथ ही परीक्षा केंद्र के सीसीटीवी फुटेज और कक्ष निरीक्षकों की भूमिका की भी जांच होगी।

गड़बड़ी पकड़ने वाली टीम की सराहना करते हुए बोर्ड सचिव ने उप नियंत्रक रवीन्द्र पाल सिंह, उप मुख्य परीक्षक संदीप रूहेला, परीक्षक देवेश गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, क्षेत्रपाल सिंह और अखिलेश कुमार को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने कहा कि नकल माफियाओं के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

चिनहट हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, तीन शातिर आरोपी गिरफ्तार, आलाकत्ल चाकू व मृतक का मोबाइल बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। चिनहट क्षेत्र में युवक की गला रेतकर की गई निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना का सफल अनावरण कर तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। क्राइमध्सर्विलांस टीम पूर्वी जोन एवं थाना चिनहट की संयुक्त पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रक्तरंजित आलाकत्ल चाकू, मृतक का मोबाइल फोन तथा एक अभियुक्त की रक्तरंजित चप्पल बरामद की है।पुलिस के अनुसार थाना चिनहट पर पंजीकृत मु0अ0सं0 157ध26 धारा 103(1) बीएनएस के तहत दर्ज मुकदमे में सुसंगत साक्ष्य मिलने पर धारा 3(5) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। इस प्रकरण में प्रकाश में आए अभियुक्त अनस खान पुत्र अनीश खान (उम्र 19 वर्ष), आशु निषाद पुत्र सचिन निषाद (उम्र 19 वर्ष) तथा प्रियांशु गुप्ता पुत्र बृजेश कुमार गुप्ता (उम्र 21 वर्ष) निवासीगण कल्याणी विहार, कमता थाना चिनहट को 26 मार्च 2026 को किसान पथ सर्विस रोड पर ईमलियाबाधम मंदिर जाने वाले मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घटना का विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि 24 मार्च 2026 को अभियुक्तों ने योजनाबद्ध तरीके से रितेश उर्फ बाला को उसके परिचित प्रियांशु गुप्ता के माध्यम से आवास संघ के खाली मैदान में बुलाया था। वहां पहले से मौजूद अनस खान, आशु निषाद तथा उनके एक अन्य साथी अरबाज ने मिलकर रितेश उर्फ बाला की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।इस मामले में मृतक के पिता दयाशंकर सिंह पुत्र स्वर्गीय देवधारी सिंह निवासी कल्याणी विहार कॉलोनी, चिनहट द्वारा 25 मार्च 2026 को थाना चिनहट में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुकदमे की विवेचना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र मिश्रा द्वारा की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया था और पूरे मामले को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए शीघ्र अनावरण के निर्देश दिए थे।उच्चाधिकारियों के निर्देशन में फारेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड की सहायता से घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया तथा महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए। घटना के सफल अनावरण के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की और उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।पुलिस पूछताछ के दौरान अभियुक्त अनस खान और आशु निषाद की निशानदेही पर घटनास्थल के पास झाड़ियों से हत्या में प्रयुक्त रक्तरंजित चाकू बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त अभियुक्त अनस की रक्तरंजित चप्पल तथा अभियुक्त आशु के कब्जे से मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। बरामदगी के बाद पुलिस ने सभी साक्ष्यों को सुरक्षित करते हुए उन्हें विवेचना में शामिल किया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है तथा मामले में अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और प्रकरण से जुड़े अन्य तथ्यों को भी गहनता से परखा जा रहा है।

दबंगों ने युवक की पिटाई कर छीने 30 हजार रुपए

पुलिस पर तहरीर बदलने का दबाव बनाने का आरोप

प्रयागराज(आरएनएस)। औद्योगिक थाना क्षेत्र में बीती रात सरस्वती हाईटेक सिटी के पास एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। दबंगों ने युवक की बेरहमी से पिटाई कर उसकी जेब से 30 हजार रुपये नकद छीन लिए। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मांडा थाना क्षेत्र के टिकरी गांव निवासी प्रवीण सिंह (पुत्र नागेंद्र सिंह) शहर से अपनी बाइक से घर लौट रहे थे, तभी औद्योगिक क्षेत्र के सरस्वती हाईटेक सिटी के समीप कुछ दबंगों ने उन्हें रोक लिया। इससे पहले कि प्रवीण कुछ समझ पाते, दबंगों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी और उनकी जेब से 30 हजार रुपये छीन लिए।पीड़ित प्रवीण सिंह ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी और बाद में औद्योगिक थाने में लिखित तहरीर दी। हालांकि, पीड़ित का आरोप है कि पुलिस उनसे तहरीर से रुपये छीनने की बात हटाने का दबाव बना रही है। इस कथित उदासीनता के कारण अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी है।आरोप है कि घटना के बाद, एक आरोपी ने पीड़ित के मोबाइल पर फोन कर मारपीट की घटना को श्ट्रेलरश बताया। आरोपी ने धमकी दी कि शपिक्चर अभी बाकी हैश और वह पीड़ित के साथ दोबारा मारपीट करेगा। वायरल ऑडियो रिकॉर्डिंग के अनुसार, आरोपी ने शदिल्ली दिखाने पर हाथ–पैर तुड़वा देनेश की भी धमकी दी है। इस मामले में औद्योगिक थाना प्रभारी कमलेश पटेल ने कहा है कि मारपीट की घटना हुई है, लेकिन रुपये छीनने की बात श्अफवाहश है। वहीं, पीड़ित ने छीने गए रुपयों का ब्योरा देने की बात कही है और दोहराया है कि पुलिस उस पर तहरीर बदलने का जबरन दबाव बना रहा है।

भाजपा वेणी माधव एवं शिवकुटी मंडल की टीम का गठन

प्रयागराज(आरएनएस)। भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल के अनुमोदन पर प्रयागराज महानगर के वेणी माधव एवं शिवकुटी मंडल की टीम का गठन किया गया।वेणी माधव मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने अपने वेणी माधव मंडल की टीम का गठन करते हुए मंडल के उपाध्यक्ष के पद पर आशुतोष पालीवाल, विकास केसरवानी, शिवा त्रिपाठी, सोनू कुमार, सुशील गुप्ता पुरुषोत्तम दास एवं महामंत्री के पद पर राहुल सिंह राणा, राहुल कुमार कुशवाहा, मंत्री चंदन निषाद, चेतन ओझा, नीरज तिवारी, बृजमोहन, पंकज द्विवेदी मीना निषाद, कोषाध्यक्ष के पद पर नेहा शुक्ला को नियुक्त किया।इसके अलावा शिवकुटी मंडल अध्यक्ष भोला सिंह ने शिवकुटी मंडल का उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, सोनू जायसवाल शिव बाबू, सतीश पुरी, दिग्विजय सिंह, दीप्ती श्रीवास्तव, वेद पांडे, महामंत्री धर्मेंद्र त्रिपाठी, अशोक कनौजिया, मंत्री महेंद्र तिवारी, मुकेश प्रजापति, कलूट पासी, अखिलेश यादव, सीमा शर्मा एवं प्रमिला, कोषाध्यक्ष कपिल जायसवाल को नियुक्त किया। नवगठित टीम को लेकर महापौर गणेश केसरवानी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, पूर्व प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बधाई देते हुए कहा कि नवगठित मंडल की टीम संगठन स्तर पर शहर उत्तरी विधानसभा को और मजबूत करेगी।

यूकोस्ट के सहयोग से सुभारती विश्वविद्यालय में आईपीआर प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

विजडम इंडिया।

देहरादून ।26 मार्च 2026 को रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के लोकप्रिय ऑडिटोरियम में यूकोस्ट (UCOST) के सहयोग से "शैक्षणिक संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती संगीता नागर (पूर्व वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख, आईपीआर डिवीजन, TIFAC, DST, भारत सरकार तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक, SS Rana - Co-) उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में शैक्षणिक संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार नवाचारों और शोध कार्यों को उचित आईपीआर तंत्र के माध्यम से संरक्षित किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को आईपीआर के लिए आवेदन करने और उसके संरक्षण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी।

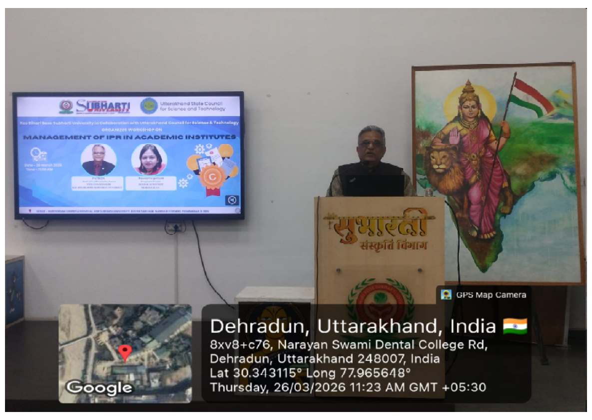

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. हिमांशु ऐरन की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच आईपीआर के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर डॉ. संदीप ध्यानी, डॉ. प्रतिभा जुयाल नैथानी (कार्यक्रम समन्वयक), डॉ. पुष्पा ध्यानी, सुश्री वंशिका, सुश्री शिवानी लेखवार एवं सुश्री चारु पंवार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यशाला में प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी रही तथा अंत में एक इंटरैक्टिव सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुई।

संतोष कुमार को मिला कला श्री सम्मान, रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय की कला-साधना को राष्ट्रीय प्रतिष्ठा

डॉ. अतुल कृष्ण, डॉ. हिमांशु ऐरन और सुश्री अवनी कमल ने बताया-यह उपलब्धि संस्थान की रचनात्मक परंपरा की सशक्त पहचान

विजडम इंडिया।

विशेष संवाददाता – लखनऊ

वरही बतमंजपवद पानीपत, हरियाणा द्वारा हरिद्वार में 21 मार्च से 23 उंतबी 2026 को तीन दिवसीय नैशनल कार्यशाला में सुभारती फाइन आर्ट्स कॉलेज के वरिष्ठ कलाकार एवं विभागाध्यक्ष संतोष कुमार को कला श्री सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें चित्रकला के क्षेत्र में ‘अदृश्य पीड़ा’ शृंखला पर बनायी गयी चित्र के लिए प्रदान किया गया।

हरिद्वार स्थित garnea होटल में आयोजित समारोह में भारत हर प्रदेश से कला–जगत की प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं। सम्मान स्वरूप संतोष कुमार को प्रशस्ति–पत्र, स्मृति–चिन्ह प्रदान की गई। हरिद्वार के मजिस्ट्रेट सम्मान प्रदान करते हुए कहा कि संतोष कुमार की कला समकालीन भारतीय चित्रकला को नई दिशा देती है और उनकी सृजनशीलता युवा कलाकारों के लिए मानक स्थापित करती है।

इस उपलब्धि पर रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के न्यासी डॉ. अतुल कृष्ण ने बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान सुभारती परिवार के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा, "संतोष कुमार की साधना और अनुशासन विश्वविद्यालय की रचनात्मक विरासत को सुदृढ़ करते हैं। उनकी यात्रा यह सिद्ध करती है कि सतत अभ्यास और संवेदनशील दृष्टि से कला समाज को दिशा दे सकती है।"

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हिमांशु ऐरन ने कहा कि संतोष कुमार की यह उपलब्धि सुभारती विश्वविद्यालय की कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में मजबूत पहचान का प्रमाण है। "यह सम्मान हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक मानकों पर उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करेगा और अकादमिकदृक्रिएटिव समन्वय को नई ऊर्जा देगा,"।

असिस्टेंट अकादमिक डायरेक्टर सुश्री अवनी कमल ने भी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संतोष कुमार के मार्गदर्शन में फाइन आर्ट्स के विद्यार्थी राष्ट्रीय मंचों पर निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके अनुसार, यह सम्मान शिक्षण और सृजनकृ दोनों क्षेत्रों में संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में संतोष कुमार ने इसे व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ–साथ सुभारती फाइन आर्ट्स और अपने विद्यार्थियों को समर्पित बताया। उन्होंने युवा कलाकारों से निरंतर अभ्यास, संवेदनशील दृष्टि के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ देश दीपक ने एक संदेश में कहा, "यह सम्मान हमारे शिक्षकों और विद्यार्थियोंकृदोनों के लिए प्रेरणा है। विश्वविद्यालय कला–साधना को हर संभव समर्थन देता रहेगा।"

उल्लेखनीय है कि अंतीप बतम. जपवद द्वारा दिया गया यह सर्वोच्च सम्मान न केवल संतोष कुमार की रचनात्मक यात्रा की मान्यता है, बल्कि रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय की कला–शिक्षा और सांस्कृतिक नेतृत्व की राष्ट्रीय स्वीकार्यता का भी सशक्त संकेत है।

बिप्र धेनु सुर संत हित, लीन्ह मनुज अवतार

जौनपुर(आरएनएस)। राम नवमी की तैयारियां जोरो पर चल रही है। ऐसे में गोस्वामी तुलसीदास जी की श्रीरामचरितमानस से यह दोहा बिप्र धेनु सुर संत हित, लीन्ह मनुज अवतार । प्रासंगिक है। इस दोहे में भगवान श्रीराम के अवतरण का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट रूप से बताया गया है। इस दोहे में भगवान राम के अवतार की गूढ़ता, उनकी करुणा और धर्म की स्थापना का भाव समाहित है। बिप्र (ब्राह्मण), धेनु (गाय), सुर (देवता), और संत (संतजन) इन सभी की रक्षा हेतु भगवान ने मनुष्य रूप में अवतार लिया। यह अवतार उनकी निज इच्छा से हुआ, जिसमें उन्होंने माया को पार कर गुणातीत शरीर धारण किया। रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक चेतना का जागरण है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब–जब धर्म की हानि होती है, तब–तब भगवान स्वयं अवतरित होकर धर्म की पुनः स्थापना करते हैं।भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, सेवा, और सत्य का प्रतीक है। उन्होंने अपने जीवन में हर भूमिका को पूर्णता से निभाया कृ पुत्र, भाई, पति, राजा, और साधक। उनका चरित्र हमें यह सिखाता है कि जीवन में कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।ब्राह्मणों की रक्षा कृ भगवान राम ने ऋषियों की रक्षा की, उनके यज्ञों को राक्षसों से बचाया। यह धर्म की रक्षा का प्रतीक है। गौ माता भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। रामराज्य में गौ–पालन और संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया। रावण जैसे अधर्मी राजा के आतंक से देवता भी भयभीत थे। भगवान राम ने राक्षसी शक्तियों का अंत कर देवताओं को पुनः स्थिरता दी। संत समाज सत्य और भक्ति का प्रचार करता है। भगवान राम ने संतों को सम्मान दिया, उनके मार्गदर्शन को स्वीकार किया। राम का अवतार केवल राक्षसों के संहार के लिए नहीं था, बल्कि मानवता को एक आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देने के लिए था। उन्होंने अपने जीवन में कभी भी अहंकार नहीं किया, बल्कि हर कार्य को धर्म के अनुसार किया।रामनवमी पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में राम के आदर्शों को अपनाएँ कृ सत्य बोलें, सेवा करें, और धर्म का पालन करें। आज जब समाज में असत्य, अन्याय और अधर्म की प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं, तब रामनवमी हमें पुनः धर्म की ओर लौटने का आह्वान करती है। यह पर्व हमें आत्मनिरीक्षण करने का अवसर देता है कि क्या हम राम के मार्ग पर चल रहे हैं? रामनवमी का पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है।

मुठभेड़ में दो अभियुक्तघायल

जौनपुर(आरएनएस)। पुलिस की संयुक्त टीम और हत्या के आरोपियों के बीच गुरुवार को मुठभेड़ हुई। इस दौरान दो अभियुक्तों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से दो तमंचे, जिंदा कारतूस, खोखे, एक मोटरसाइकिल और हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया है।यह मुठभेड़ बुधवार को जलालपुर क्षेत्र के सिरकोनी गांव में हुई एक हत्या के मामले से जुड़ी है। आशीष उर्फ चिघड़ू चौहान नामक व्यक्ति की एक दर्जन से अधिक लोगों ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद शव को घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर बन्दीपुर गांव में फेंक दिया गया था।मृतक आशीष उर्फ चिघड़ू चौहान, जो जलालपुर के संघईपुर गांव का निवासी था, बुधवार को बन्दीपुर स्थित शराब ठेके के पास मौजूद था। तभी करीब एक दर्जन युवक वहां पहुंचे और उसे दौड़ाना शुरू कर दिया। आशीष अपनी जान बचाने के लिए सिरकोनी गांव में घुस गया और कई घरों में छिपने की कोशिश की।

युवक फांसी पर झूला

जौनपुर(आरएनएस)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के रसुलहा गांव में गुरुवार सुबह एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही वहां भीड़ लग गयी और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।मृतक की पहचान 28 वर्षीय सौरभ उर्फ सोनू सेठ पुत्र विजय कुमार सेठ के रूप में हुई है। सौरभ ने नायलॉन की रस्सी के सहारे कमरे में लगे पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। सुबह जब परिजनों ने उसका शव फंदे से झूलता देखा तो वे बदहवास हो गए। सौरभ अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था और उसकी दो बहनें हैं। वह अविवाहित था और वाराणसी के कठिरांव बाजार में चश्मे की दुकान चलाता था। परिजनों ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से डिप्रेशन में था।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और नेवढ़िया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। नेवढ़िया थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। युवक के डिप्रेशन में होने की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

जौनपुर(आरएनएस)। गुरुवार को आबकारी अपराध की रोकथाम हेतु प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आबकारी निरीक्षक अब्दुल कैस ने एक विशेष अभियान चलाया। उनके साथ विभाग के दिलीप कुमार ओझा,मोहम्मद कासिम व एस आई सैय्यद हसन जाफर रिजवी व परमानंद की संयुक्त टीम ने सरायख्वाजा के देवकली सुलतानपुर मार्ग पर दो अभियुक्तों दिलीप यादव पुत्र लाल बहादुर यादव व चंद्रेश यादव पुत्र हरीलाल यादव निवासी हमजापुर को 82 शीशी अवैध देशी शराब एवं एक अदद मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया ।दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के सुसंगत धारा के अंतर्गत सरायख्वाजा में मुकदमा दर्ज कराया गया।

सम्राट अशोक शांति, न्याय और अहिंसा के प्रतीक

जौनपुर(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में महान शासक विश्वविख्यात प्रियदर्शी सम्राट अशोक की जयंती समारोह पूर्वक पार्टी के जिला कार्यालय सदर चुंगी अलफस्टीनगंज में मनाई गई। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि सम्राट अशोक का शासनकाल (ईसा पूर्व 269–232) भारत के इतिहास में एक अखंड और सशक्त शासन का प्रतीक माना जाता है, जो मौर्य वंश के सबसे प्रतापी राजा थे।

पेट्रोल और डीजल की समस्या गहरायी

जौनपुर (आरएनएस)।जिले में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत से आमजन और किसान परेशान हैं। कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म होने की कगार पर है, जबकि जहां उपलब्ध है, वहां लंबी कतारें देखी जा रही हैं। पंप मालिक और कर्मचारी भीड़ को नियंत्रित करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। सुबह से ही पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।दोपहिया, चारपहिया और मालवाहक वाहन चालक घंटों इंतजार के बाद भी कई बार खाली हाथ लौटने को मजबूर हो रहे हैं। कई स्थानों पर सीमित मात्रा में ही पेट्रोल–डीजल दिया जा रहा है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। इस किल्लत का सबसे अधिक असर किसानों पर पड़ा है। रबी फसल की कटाई और खेतों की सिंचाई के महत्वपूर्ण समय में डीजल की कमी से कृकिसान अपने ट्रैक्टरों और पंपसेटों के लिए डीजल जुटाने के लिए एक पंप से दूसरे पंप भटक रहे हैं। इसके अलावा, गंभीर रूप से बीमार और गर्भवती महिलाओं को भी अस्पताल तक पहुंचने के लिए परिवहन साधनों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

अभी भी जारी है मेडिकल कालेज में बदइंतजामी का दौर

सुल्तानपुर(आरएनएस)। राजकीय मेडिकल कालेज से प्राचार्य द्वारा 43 कर्मचारियों को रिलीव करने के बावजूद अभी भी कुछ रिलिविंग से बचे हुए चिकित्सक अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस से बाज नहीं आ रहे है यही मंजर जनपद को वाराणसी से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित इकलौता ट्रॉमा सेंटर में भी देखने को मिल रहा है मेडिकल कॉलेज के अधीन होने के बावजूद यहां आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं धडाम नजर आ रही हैं। हालत यह है कि सड़क हादसों में घायल मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा, जिससे उनकी परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।जानकारी के अनुसार ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सकों की तैनाती होने के बावजूद नियमित सेवाएं नहीं मिल रही हैं। यहां डॉक्टर समीर सुमन, डॉक्टर आर. ए. वर्मा, डॉक्टर गुफरान समेत दो जूनियर रेजिडेंट तैनात हैं, लेकिन केंद्र पर सेवाएं सिर्फ सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ही सीमित हैं। जबकि नियमों के तहत ट्रॉमा सेंटर में 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध होनी चाहिए।स्थानीय लोगों का आरोप है कि तैनात चिकित्सक सरकारी ड्यूटी से अधिक निजी प्रैक्टिस में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में ट्रॉमा सेंटर की पूरी जिम्मेदारी जूनियर रेजिडेंट्स के कंधों पर आ जाती है। इमरजेंसी की स्थिति में भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता न होने से मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पाता। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि केंद्र में बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। यहां एक्स–रे जैसी आवश्यक जांच तक उपलब्ध नहीं है। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज के आकस्मिक कक्ष या लखनऊ रेफर कर दिया जाता है। कई बार रेफर के दौरान ही मरीज रास्ते में दम तोड़ देते हैं। हाईवे पर लगातार बढ़ते सड़क हादसों के बीच यह ट्रॉमा सेंटर क्षेत्र के लिए जीवन रेखा साबित हो सकता है, लेकिन वर्तमान में यह सिर्फ कागजों तक सीमित होकर रह गया है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि ट्रॉमा सेंटर को तत्काल 24 घंटे संचालित किया जाए, पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की तैनाती की जाए और निजी प्रैक्टिस में लिप्त डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई हो।जनहित में यह आवश्यक है कि स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन जल्द ठोस कदम उठाए, अन्यथा आने वाले समय में हादसा पीड़ितों की मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

साइबर ठगी में पश्चिम बंगाल के फरीद की जमानत खारिज

सुलतानपुर(आरएनएस)। ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाकर धोखाधड़ी करने व 2.75 करोड़ की साइबर ठगी के आरोप से जुड़े मामले में पश्चिम बंगाल के आरोपी फरीद मलिक की तरफ से प्रस्तुत जमानत अर्जी पर बुधवार को जिला जज की अदालत मे सुनवाई चली। प्रभारी जिला जज संध्या चौधरी की अदालत ने आरोपी के अपराध को समाज के लिए अत्यंत घातक व बेहद गंभीर मानते हुए उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दिया है। कोतवाली नगर के विवेकानन्द नगर के वर्तमान व चांदा थाने के सफीपुर स्थायी निवासी भास्कर पांडेय ने गत 14 अक्टूबर को अशिका वेल्थ बिल्डर्स नेटवर्क के व्हाट्सएप ग्रुप के खिलाफ साइबर थाने में धोखाधड़ी व लाखों की ठगी का मुकदमा दर्ज कराया। उनके आरोप के मुताबिक साइबर ठगों ने उन्हें अपने जाल में फंसाकर 10.11 लाख रुपए गत अप्रैल व मई माह में जमा कराकर उनसे ठग लिए। ठगी का शिकार होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने मामला दर्ज कराया। वहीं अमेठी जिले के अभिषेक सिंह ने भी इन्हीं साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।आरोपियो का यह गिरोह कई प्रदेशों में फैला हुआ है। पुलिस की जांच में करीब 2.75 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। मामले में लोगों को लुभावनी स्कीम बताकर उन्हें अपने जाल में फंसा कर निवेश करने व बड़े स्तर पर फ्रॉड का काम आरोपी करते रहे। पुलिस ने इस गिरोह में शामिल असम राज्य के हनीफ काजी, शमसुद्दीन,सफीकुल इस्लाम व जाकिर खान एवं मुंबई के संतोष सर्वे, विजय ईश्वर पश्चिम बंगाल के फरीद मलिक को जेल भेजने की कारवाई किया था। मामले में आरोपी जाकिर खान,संतोष सर्वे, विजय इश्वर व अन्य की जमानत अर्जी पूर्व में खारिज हो चुकी है।

दहेज के खिलाफ एकजुट हुआ मुस्लिम समाज

सुल्तानपुर(आरएनएस)। इसौली विधानसभा के इस्लामगंज में दहेज प्रथा के खिलाफ आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता रही, जिसका आयोजन मुस्लिम समाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि न तो लड़के वाले दहेज लेंगे और न ही बेटी वाले दहेज देंगे कृ समाज को इस कुरीति से मुक्त करने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है।इसके पश्चात अन्य सामाजिक मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें समाज के उत्थान और आपसी सौहार्द को मजबूत करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के बाद विधानसभा क्षेत्र के असरोगा, सुरजीपुर, रवनिया पूरब, रंकेडीह, सरकंडेडीह, मुडुही, नेवादा, बरमजीतपुर, कोरवा, गजेड़ी, अझुही सहित अन्य ग्रामों का सघन दौरा कर क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना एवं आगामी विधानसभा में पीडीए के समर्थन वाली समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की अपील की ᵖ समाज सुधार और जनसेवा के इस अभियान को आगे बढ़ाते रहेंगे। इस दौरान मेरे साथ में वस्सन खा लाहुति, अली हुसैन ,कसीर अहमद, अहमद खां, मौलाना मकबूल अहमद, मौलाना तुफैल अहमद, अशरफ खां, साहिल, मोहम्मद अब्दुल्ला,आदि लोग मौजूद रहे।

मां महागौरी का दर्षन को भीड़, कन्या पूजन

जौनपुर(आरएनएस)। चौत माह की महाष्टमी जिले में श्रद्धा के साथ मनायी गयी। इस अवसर पर षक्तिपीठों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने व्रत रखकर मां का पूजन दर्षन किया। ज्ञात हो कि आठवां दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप, मां महागौरी को समर्पित होता है। मां महागौरी को शांति, पवित्रता और सौम्यता का प्रतीक माना जाता है। उनका स्वरूप बेहद सुंदर और उज्ज्वल बताया गया है. मान्यता है कि मां की पूजा करने से जीवन में सुख–समृद्धि आती है और मन को शांति मिलती है। चौत्र नवरात्रि की महाअष्टमी कन्या पूजन कर उन्हे भोजन कराया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें, घर के पूजा स्थान को अच्छी तरह साफ कर गंगाजल से शुद्ध करें. इसके बाद मां महागौरी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित किया। घी का दीपक जलाया और मां को रोली, चंदन, अक्षत और फूल अर्पित कर मां को भोग लगाया। पूजा के दौरान मां के मंत्रों का जाप कर और अंत में आरती करके प्रसाद वितरित किया गया। कथा के अनुसार, देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी. उन्होंने कई वर्षों तक कठिन साधना की, जिससे उनका शरीर कमजोर हो गया और रंग भी काला पड़ गया. उनकी इस अटूट भक्ति से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया. बाद में उन्होंने देवी को गंगा स्नान करने के लिए कहा. जैसे ही देवी ने गंगा में स्नान किया, उनका शरीर फिर से उज्ज्वल और अत्यंत सुंदर हो गया. इसी दिव्य रूप के कारण उन्हें महागौरी कहा गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कन्या पूजन के दौरान कुछ नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है, वरना पूजा अधूरी रह सकती है। कन्या पूजन में हमेशा कन्याओं को सात्विक भोजन ही कराएं. भूलकर भी कन्या पूजन में प्याज, लहसुन या किसी भी प्रकार की तामसिक चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए. आमतौर पर कन्याओं को हलवा, पूरी, काले चने और सब्जी का प्रसाद तैयार कर खिलाया जाता है। कन्या पूजन के दौरान हमेशा साफ–सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए. ऐसे में आप घर में जहां पर भी कन्याओं को भोज कराएं, वहां पहले साफ–सफाई अच्छे से कर लें. इसके अलावा भोजन कराने से पहले कन्याओं के चरण भी जरूर धोएं, हिन्दू धर्म में किसी भी व्रत–त्योहार पर काले कपड़े पहनना बेहद अशुभ माना जाता ह।

नैतिक पार्टी के पूर्वांचल प्रभारी बने प्रेम मोहन त्रिपाठी, समर्थकों में उत्साह

सुल्तानपुर(आरएनएस) शहर के पयागीपुर निवासी प्रेम मोहन त्रिपाठी को नैतिक पार्टी का पूर्वांचल प्रभारी बनाए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जैसे ही उनके नियुक्ति की खबर सुल्तानपुर पहुंची, समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। शहर पहुंचने पर लोगों ने मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी और फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी को पूर्वांचल क्षेत्र में नई मजबूती मिलेगी और संगठन का विस्तार तेजी से होगा। प्रेम मोहन त्रिपाठी ने सभी समर्थकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ–साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। स्वागत कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व में क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने और जनता के बीच सक्रिय रहने का संकल्प भी लिया। अपने बयान में प्रेम मोहन त्रिपाठी ने कहा कि वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायधीश चंद्र भूषण पाण्डेय के आभारी हैं, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि वे पूर्वांचल के विकास, सामाजिक समरसता और जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया और कहा कि पार्टी की विचारधारा को गांव–गांव तक पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

संजय मिश्र अध्यक्ष अजीत सिंह चुने गए मंत्री

जौनपुर(आरएनएस)। बीआरसी सटवां मुंगराबादशाहपुर के सभागार में गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक इकाई मुंगराबादशाहपुर का पुनर्गठन हुआ। जिसमें शिक्षक संजय मिश्र को ब्लाक का अध्यक्ष व अजीत सिंह मंत्री चुना गया। चुनाव अधिकारी मडियाहूं ब्लाक अध्यक्ष विशाल सिंह चुनाव व जिला कोषाध्यक्ष रोहित यादव चुनाव पर्यवेक्षक के निर्देशन में चुनाव संपन्न कराया गया। अन्य पदाधिकारियों में संजय कुमार सिंह संरक्षक, उपेन्द्र सिंह कोषाध्यक्ष के पद पर जीतलाल बिंद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर गोरखनाथ मौर्य, सूर्य प्रताप यादव, उपाध्याय के पद पर फूलचन्द सरोज एवं राजेश प्रचेता, दानबहादुर एवं विजय सिंह को संगठन मंत्री, सरोज मौर्या महिला प्रचार मंत्री, अजीत पटेल संयुक्त मंत्री, विमलेंद्र तिवारी एवं रमेश चन्द्र सरोज प्रचार मंत्री चुने गए। नवनिचित पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष अमित सिंह, जिला उपाध्यक्ष सन्तोष सिंह बघेल सहित जिले के पदाधिकारियों ने माला पहनाकर स्वागत किया। पदाधिकारियों ने टीईटी अनिवार्यता से मुक्ति के सम्बन्ध में विकास खण्ड मुंगरा बादशाहपुर के अध्यापकों से सीधा संवाद करते हुए अमित सिंह व सन्तोष सिंह बघेल द्वारा संचालन उपेन्द्र सिंह ने किया। विभा सिंह, मधुलिका मिश्रा, प्रतिभा सिंह, शिखा दुबे, मधुलिका , ज्योति, श्रिया, स्वाति, शिखा, त्रिभुवन नाथ, ज्योति प्रकाश, आलोक शुक्ला एवं अनुज कुमार सिंह अरविंद,अभिषेक आदि उपस्थित रहे।

योगी आदित्यनाथ के 9 साल रामंदिर से कोशी कारीडोर तक, यूपी में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

शासन व्यवस्था में सुधार व मजबूत कानून व्यवस्था के कारण आज प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। लंबे कानूनी संघर्ष के बाद अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है जहाँ लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वर्ष 2017 में विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी भाजपा गठबंधन की सरकार ने नौ वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन नौ वर्षों में सरकार ने कानून व्यवस्था, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा विकास के अनेक प्रतिमान गढ़े हैं। अपनी उपलब्धियों को जन जन तक पहुँचाने के लिए सरकार ने, श्शनवनिर्माण के नौ वर्षश्श नामक पुस्तक का प्रकाशन भी किया है। वर्ष 2017 के पूर्व उत्तर प्रदेश अराजकता के जाल में फंसा हुआ था। छोटी –छोटी बातों पर फसाद हो जाते थे। कानून और व्यवस्था की बुरी स्थिति के कारण निवेशक यहां आने से डरते थे। मुस्लिम तुष्टिकरण चरम पर था। लोग उल्टा प्रदेश कहकर प्रदेश का उपहास करते थे। 2017 में योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस स्थिति में व्यापक परिवर्तन हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि अब प्रदेश की पहचान का संकट समाप्त हो चुका है, सुरक्षा निवेश व विकास प्रदेश की नई पहचान बन चुके हैं। प्रदेश में सभी पर्व शांति, सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। कहीं कोई तनाव, कर्फ्यू व दंगा नही है। ऐसे माफियाओं का अंत हुआ है जिनके सामने सपा, बसपा व कांग्रेस की पुरानी सरकारें नतमस्तक हो जाया करती थीं। शासन व्यवस्था में सुधार व मजबूत कानून व्यवस्था के कारण आज प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। लंबे कानूनी संघर्ष के बाद अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है जहाँ लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अयोध्या को अपना एयरपोर्ट, आधुनिकीकृत रेलवे स्टेशन, मेडिकल कालेज मिला, सम्पूर्ण अयोध्या नगरी का नवीनतम और पुरातन संस्कृति के सामंजस्य व समन्वय के साथ व्यापक स्तर पर विकास हो रहा है। इसी प्रकार काशी का विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण से काशी का स्वरूप भी निखरकर सामने आ रहा है। प्रयागराज में महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाकर इतिहास रच दिया। इसी प्रकार मां विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर के निर्माण से मां विन्ध्यवासिनी जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को एक विशेष अनुभूति व आध्यात्मिक

आनंद की प्राप्ति हो रही है। योगी सरकार आने के बाद प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के साथ साथ अन्य पर्यटन गतिविधियों का विकास होने के कारण इस क्षेत्र में युवाओ के लिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं। प्रदेश की आस्था, संस्कृति व परंपराओं को सम्मान देते हुए उन्हें नई पहचान दिलाने का प्रयास लगातार जारी है। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई अहम प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत 96 लाख एमएमएमई इकाइयां संचालित की जा रही हैं। लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया है। एक जिला–एक उत्पाद योजना, एक जिला एक व्यंजन योजना के साथ ही प्रदेश के हर जिले में कम से कम एक पर्यटन स्थल का विकास किया जा रहा है। विगत नौ वर्षों के कार्यकाल में सरकार ने सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, किसानों के कल्याण, महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबों के उत्थान के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए हैं। अनेकानेक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दलितों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंच रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सेवा क्षेत्रों में सुधार करते हुए सुशासन की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रदेश में हिंदू समाज के मतांतरण को रोकने के लिए एक कड़ा कानून लाया गया और साथ ही लव जिहाद जैसी घटनाओं को रोकने के लिए भी प्रदेश सरकार कनून लेकर आई। बेटियों की सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया गया। महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई अहम कदम सरकार द्वारा समय–समय पर उठाए जाते रहे हैं। नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति अभियान प्रदेशभर में चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुमंगला योजना से बेटियां सशक्त हो रही हैं। प्रदेश की पीएसी को जीवन्त करते हुए प्रदेश में पहली बार पीएसी मे महिलाओं के लिए तीन नई बटालियन की शुरुआत की गई। गरीब बेटियों के लिए विवाह के समय दी जाने वाली सरकारी सहायता भी बढ़ा दी गई है। मेधावी बेटियों के लिए स्कूटी योजना आई है। प्रदेश का विकास परिवर्तनकारी है आज प्रदेश में सात एक्सप्रेस वे संचालित हैं, 15 का विकास कार्य प्रगति पर है। प्रदेश में 16 एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं और 8 निर्माणाधीन हैं। बहु प्रतीक्षित जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन आगामी 28 मार्च, 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी करेंगे। सात प्रमुख शहरों में मेट्रो सेवा चल रही है। नई सड़क परियोजनाएं राज्य के विकास के लिए पहचान बन चुकी हैं। वाराणसी से प्रयागराज और बलिया से अयोध्या तक वाटर–वे की सुविया बढ़ाई जा रही है। उत्तर प्रदेश तीव्र गति से विकसित प्रदेश बनने की राह पर अग्रसर है। खाद्यान्न, गन्ना, आम एवं दुग्ध उत्पादन सहित अनेक क्षेत्रों में यूपी देश के पहले पायदान पर पहुंच चुका है। प्रदेश के किसानों को पूरी ईमानदारी से, समय पर भुगतान तो हो रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए व्यापक योजनाएं चलाई जा रही हैं। किसानों तक केंद्र व राज्य सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है। प्रदेश में भरपूर निवेश लाने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री योगी ने जापान और सिंगापुर का सफल दौरा किया जबकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी का सफल दौरा किया। प्रदेश के नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल चुकी हैं। युवाओं के लिए सरकार ने कई कदम उठाए तथा ऐतिहासिक घोषणाएं की हैं जिनके अंतर्गत अब प्रदेश सरकार युवाओं को एआई जैसे नये क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित करने जा रही है। सरकार ने युवाओं के लिए अभ्युदय कोचिंग चलाई जिससे हजारों छात्र सफल होकर नौकरी प्राप्त कर चुके हैं।

सम्पादकीय

लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़

मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं, क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष ने संसदीय कार्यवाही के संचालन में अपने प्रति भेदभाव के साथ–साथ सत्ता पक्ष से स्पीकर की मिलीभगत का आरोप खुल कर लगाया। जैसा अनुमान था, अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया गया। मगर जिस रोज ये हुआ, उसी दिन विपक्ष के 180 सांसदों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पेश होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए। अब इस प्रस्ताव को दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। विचार के लिए प्रस्ताव के स्वीकार होने की प्रक्रिया लंबी है, इसलिए इस पर बहस के लिए (अगर वो हुई तो) अभी इंतजार करना पड़ेगा।

वैसे, चर्चा हुई भी, तो यह अनुमान पहले से लगाया जा सकता है कि इसका हश्र स्पीकर के खिलाफ पेश प्रस्ताव से अलग नहीं होगा। कारण संसदीय गणित है। आज के माहौल में इसकी उम्मीद तो नहीं की जा सकती कि सत्ता पक्ष चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता एवं निष्पक्षता की व्यापक अपेक्षाओं को अपने दलगत हित पर तरजीह देकर समझने का प्रयास करेगा कि विपक्ष आखिर संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति से इतना खफा क्यों है? और यही समस्या की जड़ है। मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। उसे मतदाताओं की गोलबंदी की अपनी क्षमता पर इतना भरोसा है कि व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

नतीजा, अब तक राजनीतिक विवाद से परे माने जाने जानी संवैधानिक संस्थाएं और उनमें पदासीन प्राधिकारी अब रोजमर्रा की सियासत का मुद्दा बन गए हैं। उनको लेकर जनमत बंटता चला गया है। लोकतंत्र के दीर्घकालिक भविष्य के लिए इससे ज्यादा चिंताजनक बात कोई और नहीं हो सकती। अगर राजनीतिक समूह और जनमत के एक बड़े दायरे का मुख्य निर्वाचन आयुक्त एंव स्पीकर पर यकीन नहीं है, तो उससे चुनाव एवं संसदीय प्रक्रियाएं लांछित हो जाती हैं। जो लोग इसके खतरे को आज गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, वे इस देश के लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

नीतीश को हटाने का प्रयोग सफलतापूर्वक

अब सवाल है कि नीतीश कुमार से मोदी और शाह का बदला पूरा हो गया लेकिन आगे क्या? आगे भाजपा किसको मुख्यमंत्री बनाएगी यह लाख टके का सवाल है। भाजपा ने पिछले 10 सालों में जिस तरह के लोगों को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया उसे देख कर तो लगता है कि मोदी और शाह का एकमात्र लक्ष्य लोगों को हैरान करना या चौंकाना होता है। वे चुन कर ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाते हैं, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा हो। जितने नाम पहले से चल रहे होते हैं उनको छोड़ कर किसी अन्य को सीएम बनाया जाता है। भजनलाल शर्मा से लेकर मोहन यादव, मोहन चरण मांझी और रेखा गुप्ता तक इसकी अनगिनत मिसाले हैं। लेकिन क्या बिहार में भाजपा इसी तरह का प्रयोग कर सकती है? यह थोड़ा मुश्किल लग रहा है क्योंकि बाकी राज्यों की तरह भाजपा को बिहार में अकेले बहुमत नहीं मिला है। दूसरे, बिना नीतीश की पार्टी के बाकी सहयोगियों के साथ भी भाजपा का पूर्ण बहुमत नहीं बनता है। दूसरी ओर मजबूत प्रादेशिक पार्टी के तौर पर राजद है, जो मौके का फायदा उठाने को तैयार है। इसलिए भाजपा को जातीय समीकरण का ध्यान रखना है तो साथ साथ नीतीश की पार्टी की पसंद का ख्याल भी रखना है। इसके अलावा कमान ऐसे नेता को देनी होगी, जो राजद से लड़ सके और गैर यादव पिछड़ी जाति के समीकरण का प्रतिनिधित्व करता हो। भाजपा यादव चेहरे का प्रयोग पहले कर चुकी है। 2015 में भाजपा ने यह प्रयोग किया था। नित्यानंद राय प्रदेश अध्यक्ष, भूपेंद्र यादव प्रभारी और रामकृपाल यादव केंद्र में मंत्री थे। भाजपा ने जम कर टिकट भी दी लेकिन 2015 का वह प्रयोग विफल रहा था।इस बार भाजपा और जदयू दोनों ने खुल कर गैर यादव राजनीति की। यादव नेताओं की टिकट काटी गई और उसकी जगह दूसरी मझोली जातियों खास कर कोईरी, कुर्मी और धानुक को आगे बढ़ाया गया। उनके ज्यादा विधायक जीत कर विधानसभा पहुंचे हैं। दूसरी बात यह है कि बिहार भाजपा के सबसे बड़े यादव नेता नंदकिशोर यादव को नगालैंड का राज्यपाल बनाया गया है। सो, यादव सीएम का प्रयोग शायद नहीं होगा।

अनुसूचित जाति आरक्षण- जनजातीय बिना अधूरा है पर अच्छा है सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय

सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है कि जब कोई व्यक्ति धर्म बदलता है, तो वह उस मूल सामाजिक ढांचे से बाहर आ जाता है, जिसके कारण उसे आरक्षण दिया गया था। यह सही भी है। विदेशी धर्मों को मानने वाले कई लोग धर्म बदलकर भी आरक्षण का लाभ उठा रहे थे जो कि आरक्षण कानून की मूल आत्मा के ही विरुद्ध है। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचित जाति के संदर्भ में अत्यंत ही महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इस निर्णय से धर्मांतरण के अवैध व असामाजिक कृत्यों से देश को अंशतः मुक्ति मिलेगी। यद्यपि यह निर्णय अभी अधूरा है, जनजातीय समाज को भी इस निर्णय में सम्मिलित करने से ही देश आरक्षण के दुरुपयोग को रोक पायेगा, तथापि, इस निर्णय से भारत में आरक्षण कानून की आत्मा की अंशतः रक्षा तो होगी ही। यद्यपि यह निर्णय समय की माँग के अनुसार जनजातीय वर्ग को अपने प्रभाव में नहीं ले रहा है तथापि इस प्रकार के निर्णय की प्रतीक्षा देश का अनुसूचित जनजातीय समाज बड़ी आतुरता से कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (ै) के अंतर्गत मिलने वाले आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो मूल रूप से उस सामाजिक–धार्मिक श्रेणी में बने रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो वह स्वतः उस आरक्षण के अधिकार से वंचित हो सकता है, क्योंकि यह आरक्षण ऐतिहासिक सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर दिया गया है।यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को, सामाजिक संरचना को व हिंदुत्व के विरुद्ध चल रहे कुचक्र को रोकने वाला महत्वपूर्ण कदम है। स्वामी विवेकानंद ने धर्मांतरण की आग की आँच को भाँपकर ही कहा था – "एक धर्मांतरण एक देशद्रोही को जन्म देता है।"भारत में विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय जाति व्यवस्था को षड्यंत्रपूर्वक छिन्न–भिन्न किया गया था। विदेशी आक्रमणकारी चाहे वे मुस्लिम हों या अंग्रेज अपने लाभ के लिए भाले–भाले हिंदू समाज में जातियों के आधार पर मतभेद के बीज बोते रहे हैं और सत्ता की फसल काटते रहे हैं। विदेशी आक्रणताओं के षड्यंत्रों के परिणाम स्वरूप ही पराधीन भारत में कई जातियों को हिंदू समाज में घोर उपेक्षा, अनदेखी, अनादरण व अपवंचन का करना पड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है कि जब कोई व्यक्ति धर्म बदलता है, तो वह उस मूल सामाजिक ढांचे से बाहर आ जाता है, जिसके कारण उसे आरक्षण दिया गया था। यह सही भी है। विदेशी धर्मों को मानने वाले कई लोग धर्म बदलकर भी आरक्षण का लाभ उठा रहे थे जो कि आरक्षण कानून की मूल आत्मा के ही विरुद्ध है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह मंतव्य प्रकट किया है कि ईसाईत व इस्लाम में जाति व्यवस्था का उल्लेख ही नहीं है अतः जातिगत भेद–विभेद भी इन धर्मों में नहीं होते हैं। यह निर्णय ईसाई एवं इस्लामिक की मान्य मजहबी किताबों के आशय दुराशय को ही आगे बढ़ाता है। बौद्ध, जैन, सिक्ख समुदाय को आरक्षण का लाभ पूर्ववत् मिलता रहेगा क्योंकि इनमें जाति व्यवस्था लागू है। भारतीय समाज में मंथन चलता रहा है कि धर्मांतरण केवल आस्था का विषय है या इसके पीछे सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं।

धार्मिक स्थलों को क्यों नही मिलती बंदरों से मुक्ति

प्रश्न है कि वीवीआइपी के आने पर ही क्यों बंदरों को रोकने की व्यवस्था होती है। देश के आम आदमी को भी वीवीआईपी क्यों नही समझा जाता। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो सरकार की है। उसके लिए क्यों नही ऐसी व्यवस्थाएं होती। बंदर हम हिंदुओं की श्रद्धा है। हम उसे पवित्र मानते हैं। पूजनीय मानते है।धार्मिक स्थलों को बंदरों से क्यों नही मिलती मुक्ति। सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि इन स्थानों पर आने वाले श्रृद्धालु कब तक इनके आंतक झेलते रहेंगे? कब तक इनका शिकार होते रहेंगे?हाल में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने कार्यकाल में 19 मार्च को वृंदावन आईं। वे दूसरी बार यहां आईं है। इससे पहले इसी पद पर रहते हुए प्रणब मुखर्जी व रामनाथ कोविंद भी अपने कार्यकाल में दो बार वृंदावन आए थे। लेकिन, राष्ट्रपति मुर्मु वृंदावन के तीन दिवसीय प्रवास पर आने वाली पहली राष्ट्रपति हैं। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्रप्रसाद, ज्ञानी जैल सिंह एक बार वृंदावन आए। उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए डॉक्टर शंकरदयाल शर्मा, आर वेंकटरामन, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी वृंदावन अपनी धार्मिक यात्रा पर आ चुके हैं।निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी दो बार वृंदावन आए। आश्रय सदन में वृद्ध विधवा माताओं से मुलाकात करने आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते प्रणब मुखर्जी पहली बार 16 नवंबर 2014 को अक्षयपात्र में चंद्रोदय मंदिर के भूमि पूजन में आए तो दूसरी बार 18 नवंबर 2015 को चौतन्य महाप्रभु के वृंदावन आगमनोत्सव के पांच सौ वे वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में आए थे। राष्ट्रपति पद पर रहते ज्ञानी जैल सिंह 1987 में वृंदावन आए और रंगजी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे 1957 में देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद वृंदावन आए। उप राष्ट्रपति पद पर रहते 1985 में आर

वेंकटरामन, 1993 में डॉ. शंकरदयाल शर्मा, 1959 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन वृंदावन आ चुके हैं। राष्ट्रपति या कोई वीवीआईपी जब भी वृंदावन आता है। प्रत्येक बार उनकी सुरक्षा तो होती ही है। सबसे बड़ा काम होता है वीवीआईपी को यहां के झपटमार बदंर से बचाना। ये बंदर झपटामार कर श्रद्धालु का चश्मा उतारते और किसी ऊंची जगह पेड़ या दीवार पर जाकर बैठ जाते हैं। ये चश्मा तभी लौटाते हैं जब उन्हें खाने के लिए फ्रूटी, केला या दूसरे खाने के सामान दिए जाएं। वीवीआईपी दौरे को देखते हुए प्रशासन लंगूरों के जगह.जगह कट आउट लगवाता है। माना जाता है कि लंगूर से बंदर डरतें हैं। उन्हें डराने के लिए ऐसा किया जाता है। कुछ जगह लंगूर भी लाकर बांध दिए जाते हैं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की सुरक्षा से लेकर रूट पर व्यवस्थाओं को दुरस्त करने के लिए जिला प्रशासन ने रात दिन एक कर दिया। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के दौरे को देखते एक प्रशासन ने लंगूरों के जगह.जगह कट आउट लगवाए।लेखक को चित्रकूट में हनुमान गढ़ी जाने का अवसर मिला। वहां रास्ते में बंदर और लंगूर मिलते और आपके कपड़े और बैग पकड़कर रोक लेते हैं। वे आपके बैग और जेब से खाने का सामान प्रसाद आदि निकालकर ही आपको आगे जाने देते हैं। शुक्रताल में तो हनुमान धाम में बंदरों को भगाने के लिए लंगूर बांधा हुआ था। बंदर उसके अभयस्त हो गए थे। उन्हें पता था कि रस्सी में बंधे लंगूर की पंहुच कहां तक हैं। बदंर आते और लंगूर की पंहुच की दूरी से अगल रहकर लौट जाते। प्रश्न है कि वीवीआईपी के आने पर ही क्यों बंदरों को रोकने की व्यवस्था होती है। देश के आम आदमी को भी वीवीआईपी क्यों नही समझा जाता। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो सरकार की है। उसके लिए क्यों नही ऐसी व्यवस्थाएं होती। बंदर हम हिंदुओं की श्रद्धा है। हम उसे पवित्र मानते हैं। पूजनीय मानते है। इतना होने पर भी उसके भोजन की व्यवस्था क्यों नही करते। अयोध्या में बड़ी तादाद में बंदर है। हनुमान गढ़ी पर मैंने बंदरों को फूलों की माला तोड़कर उसमें भोजन के अंश तलाशते देखा है। इसी शहर में डस्टविन से भोजन खोजते बंदर मुझे मिलें हैं। हमारी समाज सेवी संस्थाए क्यों नही इनके भोजन की जरूरत पूरी करती। बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बढती बंदरों की जनसंख्या को भोजन चाहिए। भोजन ने मिलने वह निरीह प्राणी अपना पेट भरने के लिए कुछ तो करेगा। बंदरों के आतंक के कारण कई शहरों में तो महिलाओं और बच्चों का छतों पर जाना कठिन हो गया है। शहरों की नही अब तो जंगल में भी इनकी बढ़ती आबादी किसानों के लिए संकट बन चुकी है। भोजन के अभाव में बंदर खेतों की फसल तोड़कर खा रहे हैं। गेंहू की बाली खा जाते है। बोए गए गन्ने के बीज जमीन से निकाल कर वे अपनी उदरपूर्ति कर रहे हैं। किसान फसल की रक्षा को लेकर परेशान हैं। अब तो किसानों ने खेतों की रक्षा के लिए नौकर रखने शुरू कर दिए हैं।आज बंदरों का आंतक धार्मिक स्थलों के साथ अन्य स्थानों पर भी बढ़ता जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है।

वृष राशि–

आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। कुछ दिनों से चल रही घरेलू समस्याएं आज खत्म होंगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा।

मिथुन राशि–

आज का दिन करियर में नया बदलाव लाएगा। आज नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि आपके परिवार में सुख शांति बनाए रखेगी। आज बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ होगा।

कर्क राशि–

कर्क राशि वालों आज आपका दिन बेहतर है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिए आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं। आपका काम सफल होगा।

सिंह राशि–

आज आपका दिन खास रहने वाला है। आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रह सकता है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार विमर्श करना पड़ सकता है,।

कन्या राशि

आज का दिन मिला जुला रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे।

तुला राशि–

तुला राशि वालों आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है।

वृश्चिक राशि–

वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आप किसी बात को लेकर उलझन में रहेंगे, जिसे आप अपने किसी खास मित्र से शेयर करेंगे तो आपको राहत मिलेगी।

धनु राशि–

मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार समाज में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर डेकोरेशन का काम भी करवा सकते हैं।

मकर राशि–

मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए आपको नए अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है।

कुंभ राशि–

कुंभ राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा, नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं।

मीन राशि–

मीन राशि वालों आज आपको अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। सामाजिक कामों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको जीवनसाथी से काम में पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है। आप चीजों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे।

गोरखपुर में बालिका छात्रावास का शिलान्यास, महिला श्रम भागीदारी बढ़ने का मुख्यमंत्री ने किया उल्लेख

गोरखपुर, । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि वर्ष 2017 के बाद बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप बीते वर्षों में महिला श्रम भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि महिला श्रम भागीदारी का प्रतिशत लगभग 12 से बढ़कर 36 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जो समाज में महिलाओं की बढ़ती सुरक्षा और आत्मविश्वास का संकेत है।मुख्यमंत्री बुधवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 144 शैय्या क्षमता वाले बालिका छात्रावास के भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह छात्रावास विद्युत प्रसारण निगम द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के अंतर्गत बनाया जाएगा, जिस पर लगभग 13.67 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में 4.67 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित साइबर फोरेंसिक अनुसंधान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया तथा उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार भी वितरित किए। साथ ही एक पुस्तिका का भी अनावरण किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें उपयुक्त सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के प्रमुख नगरों में कामकाजी महिलाओं के लिए श्रमजीवी महिला छात्रावासों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज में सुरक्षा का वास्तविक मानक यह होता है कि महिलाएं बिना भय के घर से बाहर निकलकर शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें।उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में महिला सुरक्षा एक बड़ी चुनौती थी और अनेक परिवार भय के कारण बेटियों को प्रदेश से बाहर पढ़ने भेजते थे। आज प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बेटियां अपने घर से ही शिक्षा और रोजगार के लिए निकल रही हैं, जो सकारात्मक परिवर्तन का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज में बेटा–बेटी के बीच भेदभाव समाप्त होगा, तभी विकास की गति कई गुना बढ़ेगी और समाज में स्थायित्व आएगा।मुख्यमंत्री ने वर्तमान समय में फोरेंसिक विज्ञान की बढ़ती आवश्यकता का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में केवल दो उच्च श्रेणी की फोरेंसिक प्रयोगशालाएं थीं, जबकि वर्तमान में उनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है और छह नई प्रयोगशालाएं निर्माणाधीन हैं। उन्होंने बताया कि सभी 75 जनपदों में मोबाइल फोरेंसिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे अपराधों की जांच में तेजी आई है और दोषियों को सजा दिलाने में सहायता मिल रही है।उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2017 में प्रदेश में केवल दो साइबर थाने थे, जबकि वर्तमान में सभी जनपदों में साइबर थाने स्थापित किए जा चुके हैं तथा थानों में साइबर सहायता कक्ष भी बनाए गए हैं। इससे साइबर अपराधों पर नियंत्रण करने में सहायता मिल रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बड़ी जनसंख्या को मानव संसाधन के रूप में विकसित करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। युवाओं को कौशल, नवाचार और तकनीकी शिक्षा से जोड़कर उन्हें रोजगार के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की बड़ी संख्या रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है तथा आधारभूत संरचना के विकास से प्रदेश औद्योगिक प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ा है।कार्यक्रम में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला तकनीकी विश्वविद्यालय है जिसने मान्यता मूल्यांकन प्राप्त किया। सांसद रविकिशन ने प्रदेश में हुए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य ने शिक्षा और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नई दिशा प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने साइबर फोरेंसिक अनुसंधान प्रयोगशाला का निरीक्षण किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडलों की सराहना की। साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बालिका छात्रावास निर्माण के लिए भूमि पूजन कर शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि, विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नगर पालिका क्षेत्र में विकास के लिये भाजपा नेता दिलीप पाण्डेय ने प्रभारी मंत्री को सौंपा पत्र

बस्ती। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों को लेकर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने बुधवार को प्रभारी मंत्री आशीष पटेल को पत्र देकर नगर के प्रमुख विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराए जाने की मांग किया।

प्रभारी मंत्री को दिये पत्र पत्र में शहर की यातायात, जल निकासी, सड़क चौड़ीकरण और बिजली व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है।भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने पत्र में कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण जनहित के कार्य लंबे समय से लंबित पड़े हैं, जिससे आम जनता को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करा दिया जाए तो शहर की यातायात व्यवस्था सुधरेगी, जलभराव की समस्या कम होगी और नगर का समुचित विकास हो सकेगा।उन्होंने अपने पत्र में सबसे प्रमुख मांग शहर में अंडरग्राउंड पार्किंग व्यवस्था शुरू कराने की उठाई है। उनका कहना है कि शहर में बढ़ते वाहनों की संख्या के कारण मुख्य बाजारों और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों और व्यापारियों को भारी परेशानी होती है। अंडरग्राउंड पार्किंग बनने से जाम की समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है।इसके अलावा उन्होंने नगर की प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण एवं इंटरलॉकिंग, सीवर निर्माण कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कई प्रमुख सड़कें संकरी होने के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। सड़क चौड़ीकरण से यातायात व्यवस्था सुगम होगी और लोगों को राहत मिलेगी। पत्र में एक और महत्वपूर्ण मुद्दा शहर के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों का उठाया गया है। उन्होंने मांग की कि शहर के ऊपर लटक रहे बिजली के तारों को हटाकर अंडरग्राउंड केबलिंग कराई जाए। इससे जहां दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा, वहीं शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी।भाजपा नेता दिलीप पाण्डेय ने बस्ती के महुली मार्ग (हड़िया चौराहा से गौरिया तक) सड़क चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य शीघ्र कराए जाने की भी मांग की है।

दबंगो ने घर में घुसकर मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के बस्थनवां निवासी पंचलाल पुत्र दुलारे ने जमीनी विवाद में गांव के ही दबंगों द्वारा घर में घुसकर मारने पीटने के मामले में पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।एसपी को दिये पत्र में पंचलाल ने कहा है कि वह अनुसूचित जाति धोबी है। गत 23 मार्च की रात जमीनी रंजिश को लेकर गांव के ही अरविन्द पाठक, शिवनरायन पाठक उर्फ लल्ला, जयनरायन पाठक पुत्रगण जगदीश पाठक व जगदीश पाठक पुत्र राम समुझ ने घर में घुसकर सोते समय लाठी–डंडा व सरिया लेकर भद्दी–भद्दी गाली देते प्राणघातक हमला कर दिया। वह गम्भीर रूप से घामल हो गया। शोर मचाने पर उसके परिवार को सदस्य जब पहुंचे तो उक्त लोग जान से मार देने की धमकी देते हुए भाग गये । उसकी पत्नी पिंकी ने 112 पर फोन किया । पुलिस ही गाड़ी उसे परशुरामपुर सीएचसी ले गयी जहां उसका इलाज हुआ । दूसरे दिन उसने पैकोलिया थाने पर पहुंचकर तहरीर देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने का आग्रह किया किन्तु पुलिस ने न तो मुकदमा दर्ज किया न ही उसे न्याय दिलाया गया।

शुद्ध पेयजल व ठण्डा पानी पीने के लिए वाटर कूलर का हुआ शुभारम्भ

आजमगढ़ लालगंज (आजमगढ़) यूनियन बैंक आफ इंडिया के सौजन्य सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज लालगंज परिसर मे छात्र छात्राओ को शुद्ध पेयजल व ठण्डा पानी पीने के लिए वाटर कूलर का शुभारम्भ यूनियन बैंक आफ इंडिया आजमगढ़ दक्षिणी क्षेत्र प्रमुख आराधना ज्योति , उप क्षेत्र प्रमुख समीरचन्द्र झा व विष्णु सिंह प्रबंधक लालगंज व प्रधानाचार्य ज्ञानेन्द्र कुमार पाण्डेय ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित दीप प्रज्जवलित र्व फीता काटकर किया । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यूनियन बैक आजमगढ़ दक्षिणी की क्षेत्र प्रमुख आराधना ज्योति ने कहा कि बैक को सुनहरा अवसर मिला है कि वाटर कलर के माध्यम से हजारे छात्र छात्राओ को पानी पिलाया जा सके । छात्र–छात्राओं दोनों को समाज के सहयोग की आवश्यकता है । छात्राओं को आगे बढ़ाने के लिए हम सबको आगे आना होगा । छात्र–छात्रा दोनों साथ–साथ आगे बढ़ेंगे तो स्वस्थ समाज का निर्माण होगा । सबसे जरूरी चरित्र निर्माण है । आने वाले समय में यूनियन बैंक को समाज के कार्य के लिए जो भी आवश्यक होगा । यूनियन बैंक जो कर पायेगा जरूर करेगा । इस अवसर पर प्रधानाचार्य ज्ञानेन्द्र कुमार पाण्डेय , उमाशंकर मिश्रा , प्रबंधक विष्णु सिंह , आयूष श्रीवास्तव सहायक प्रबंधक , कृष्ण कुमार विश्वकर्मा , लालबहादुर सिंह , विजय यादव , संजय गुप्ता, अन्जू मिश्रा , शेष मणी मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन डा0 विजय बहादुर सिंह ने किया ।

प्रगणक एवं सुपरवाइजर के चार्जवार प्रशिक्षण विषयक बैठक कलेक्ट्रेट में संपन्न

आजमगढ़ जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में अपर जिलाधिकारी विधि रा गंभीर सिंह की अध्यक्षता में संयुक्त निदेशक जनगणना भारत सरकार डॉ.एस एस शर्मा के उपस्थिति में प्रगणक एवं सुपरवाइजर के चार्जवार प्रशिक्षण विषयक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणनादृ2027 की तैयारियाँ प्रारम्भ हो चुकी हैं, जिसके लिए केंद्र, राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं । जनगणनादृ2027 देश की 16वीं जनगणना तथा स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी, जो गांव, शहर एवं वार्ड स्तर पर प्राथमिक आंकड़ों का सबसे बड़ा एवं सबसे विश्वसनीय स्रोत मानी जाती है।जनगणना दो चरणों में संपन्न कराई जाएगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य पूरे उत्तर प्रदेश राज्य में एक साथ 22 मई से 20 जून तक कराया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना कराई जाएगी । जनसंख्या गणना पूरे देश में फरवरी 2027 में संपन्न होगी।जनगणनादृ2027 का संचालन डिजिटल माध्यम से किया जाएगा । पहली बार नागरिकों को स्व–गणना का विकल्प प्रदान किया गया है।इसके अंतर्गत, राज्य में जनगणना के क्षेत्रीय कार्य आरंभ होने से 15 दिन पूर्व, अर्थात् 7 से 21 मई 2026 तक, सभी नागरिक सेल्फ एन्युमरेशन पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन प्रश्नावली भरकर अपनी जनगणना स्वयं करने हेतु उपलब्ध विकल्प का उपयोग कर सकते हैं । सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए जनगणना–2027 में सभी नगर निकायों एवं ग्रामों के जीआईएस–आधारित मानचित्रों तथा गणना ब्लॉक तैयार करने हेतु डिजिटल ऐप्स का उपयोग किया जाएगा।बैठक में अपर जिलाधिकारी विधिरा गंभीर सिंह द्वारा जनगणना की प्रक्रिया, समय–सीमा एवं जनगणनादृ2027 की कार्ययोजना पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। बैठक में जनगणनादृ2027 के सफल एवं कुशल संचालन हेतु व्यापक चर्चा की गई तथा जनगणना से संबंधित विभिन्न विषयों, कार्ययोजना एवं कार्य रोडमैप विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक एवं आवासीय स्थिति से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी, जो भविष्य की विकास योजनाओं एवं नीति निर्माण का आधार बनेगी। उन्होंने बताया कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की आधारभूत संरचना के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के दौरान प्रगणक द्वारा भवन के उपयोग, निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, कमरों की संख्या, स्वामित्व की स्थिति, शौचालय की उपलब्धता, प्रकाश का मुख्य स्रोत, खाना पकाने में प्रयुक्त ईंधन के प्रकार, एलपीजीध्पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, परिवार द्वारा उपभोग किए जाने वाले मुख्य अनाज तथा फोन, वाहन, टेलीविजन एवं इंटरनेट सुविधा जैसी परिसंपत्तियों से संबंधित कुल 33 प्रकार की सूचनाओं के विषय में आँकड़ों का संग्रह किया जाएगा.

घरेलू गैस का संकट गहरायाः महिलाओं ने सिर पर खाली सिलेण्डर रखकर किया प्रदर्शन

बस्ती। सरकार द्वारा घरेलू गैस के उपलब्धता के दावे के बावजूद संकट गहराता जा रहा है। बुधवार को रूधौली विधानसभा क्षेत्र से भावी प्रत्याशी चांदनी चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं और नागरिकों ने हाथों में तख्तियां और खाली सिलेन्डर लेकर पं. अटल बिहारी बाजपेई आडिटोरियम से शास्त्री चौक तक प्रदर्शन किया। कहा कि घरेलू गैस के लिये लोग परेशान हैं और कई घरों में भोजन बनने का संकट पैदा हो गया है। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को सम्बोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया।

ज्ञापन सौंपने के बाद चांदनी चौधरी पत्नी मनोज चौधरी ने कहा कि जनपद में घरेलू गैस की लगातार हो रही किल्लत एवं काला बाजारी की बढ़ती घटनाओं को लेकर आम जनता में आक्रोश है। एक और सरकार द्वारा गैस की पर्याप्त उपलब्धता का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि जरूरतमंद उपभोक्ता गैस एजेंसियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, जबकि कुछ स्थानों पर बिचौलियों द्वारा गैस सिलेंडरों की काला बाजारी कर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। यह उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन और गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों के साथ सीधा अन्याय भी है। इस गंभीर समस्या का त्वरित समाधान निकाला जाय।6 सूत्रीय ज्ञापन में गैस की काला बाजारी में संलिप्त व्यक्तियों पर सख्तकार्रवाई, वितरण प्रणाली को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने, प्रत्येक उपभोक्ता को समयबद्ध तरीके से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने, जिला प्रशासन द्वारा नियमित निरीक्षण एवं निगरानी , उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किये जाने, गैस बुकिंग के बाद डिलीवरी का टाइम 24 घंटे से 72 घंटा किये जाने आदि की मांग शामिल है।ज्ञापन सौंपने के दौरान चांदनी चौधरी के साथ जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र चौधरी, प्रमोद चौधरी, रूबी चौधरी, रंजना देवी, दूधनाथ चौधरी, जैसराम यादव, अमित सिंह, राधेश्याम, संजय चौधरी, , शैलेन्द्र चौधरी, विनोद मौर्य, संजू, राधिका, प्रियंका पाण्डेय, छोटे मिश्र, श्याम करन चौधरी, दूधनाथ, राजू भारती, सीमा गोंड के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

गोरखपुर में बनेगा आईटी स्टार्टअप ईकोसिस्टम

गोरखपुर, उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त वाले गोरखपुर में आईटी स्टार्टअप ईकोसिस्टम भी बनेगा। इसका जरिया बनेगा गीडा में बनकर तैयार हुआ आईटी पार्क यानी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआइ) का गोरखपुर सेंटर। साढ़े तीन एकड़ क्षेत्रफल में बीस करोड़ रुपये की लागत से बने इस आईटी पार्क का लोकार्पण गुरुवार (26 मार्च) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संगठन सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की तरफ से गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के सेक्टर–7 में उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से अत्याधुनिक केंद्र का निर्माण किया गया है। एसटीपीआई के गोरखपुर केंद्र में 50 सीटर प्लग एंड प्ले कार्यक्षेत्र विकसित किया गया है। साथ ही 6000 वर्गफुट में रॉ इंक्यूबेशन स्पेस, इतने ही क्षेत्रफल में सेमी फर्निश्ड इंक्यूबेशन स्पेस, 54 व्यक्तियों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, अत्याधुनिक कांफ्रेंस रूम, अत्याधुनिक नेटवर्क ऑपरेशन्स सिस्टम, कैफेटेरिया और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। एसटीपीआई का यह केंद्र आईटी, आईटीईएस (इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एनेबल्ड सर्विस), बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए हाई–स्पीड इंटरनेट और बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा। यह केंद्र योगी सरकार की तरफ से प्रदेश के टियर–टू शहरों में तकनीकी उद्यमिता को बढ़ावा देने की योजना का हिस्सा है। यह केंद्र (आईटी पार्क) युवाओं को स्टार्टअप से जोड़ने से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिक्षक संघ के उन्नयन संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह

आजमगढ़ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के उन्नयन संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यअतिथि एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह , प्राथमिक शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी व प्राथमिक शिक्षक जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । जिसके बाद प्रान्तीय नेतृत्व व ब्लाक नेतृत्व द्वारा सेवा निवृत्त छः शिक्षको को मन्जूलता राय , प्रदीप सिंह , सुरेश सिंह , नन्दलाल राम , शान्ती देवी व सुरेन्द्र सिंह को अंग वस्त, स्मृत चिन्ह , छाता व रामायण ग्रन्थ देकर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह , प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी , प्रदेश महामंत्री उमाशंकर सिंह व डायट प्राचार्य अमरनाथ राय द्वारा सम्मानित किया गया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि देवेन्द प्रताप सिंह ने कहा कि ऐसा संकट प्राथमिक शिक्षकों के साथ कभी आया नहीं था । हम इस संकट में संगठित होकर अपनी लड़ाई लडे। देश के कुल 30 लाख शिक्षक संकट में है जिसमें से उत्तर प्रदेश के ढाई लाख शिक्षकों की नौकरी खतरे मे है। राष्ट्र मे जो सम्मान शिक्षको का है। वह किसी का नही है। हम अपने वरिष्ठ साथियो के सम्मान पर बहुत खुश है। आप ने अपने जीवन का बहुत बड़ा समय समाज को दिया । हम सब पूरी क्षमता से शिक्षक संघ की लड़ाई लड़ेंगे । शिक्षको के पास जो ज्ञान का खजाना है वह किसी के पास नही है। इस अवसर पर अम्बरीष सिंह, ब्लाक अध्यक्ष अनिल सिंह , दिनेश सिंह, वकील मौर्या , सुनील सिंह ,भूपनरायन सिंह ब्लाकमंत्री , राजबहादुर विश्वकर्मा , विनय राय , श्याम कन्हैया , रामजनम यादव , रविकान्त पाण्डेय , छोटेलाल , दुर्गेश राय , आशुतोष राय , अमर बहादुर सिंह , समरजीत विश्वकर्मा , पतिराम चौहान , तेज बहादुर यादव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे ।

तैयारिया पूरी कल से गुरुमत समागम जोड़ मेला शुरू ।

आजमगढ़ निजामाबाद के ऐतिहासिक गुरुद्वारा चरण पादुका साहिब में सालाना गुरुमत समागम जोड़ मेला कल से शुरू हो रहा है।सालाना जोड़ मेले की तैयारियां पूरी कर ली गई है।गुरुद्वारे की साफ सफाई रंगाई पुताई कर गुरुद्वारे को विद्युत झालरों से सजाया गया है।इसमें कल शुक्रवार से देश के विभिन्न हिस्सों से संगतों का आना शुरू हो जाएगा।गुरुद्वारे के मुख्य ग्रंथी बाबा सतनाम सिंह ने बताया कि जहां जहां गुरु के चरण पड़े वहां वहां सालाना जोड़ मेले का आयोजन होता है।इसमें दूर दूर से सिख संगत आकर दर्शन करते है और संतों के प्रवचन सुनकर निहाल होते हैं। 27 मार्च से अखंड साहिब पाठ के साथ गुरुमत समागम की शुरुआत होगी।इसमें संत बाबा प्रीतम सिंह गुरुद्वारा गुरु ताल आगरा स्वय अपने जत्थे के साथ पधार रहे हैं। 28 मार्च को नगर कीर्तन व शस्त्र कला का प्रदर्शन रंजीत अखाड़ा गुरुद्वारा चरण पादुका साहिब से प्रारंभ होकर पूरे बाजार का भ्रमण करते हुए गुरुद्वारे पर समाप्त होगी। 29 मार्च को अखंड साहिब पाठ की संपूर्णता पर कीर्तन दरबार कथा प्रवचन के लिए दीवान हाल सजेगा। जहां पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि पंजाब,उत्तरांचल व अन्य जगहों से आई संगते संतो के प्रवचन सुनकर निहाल होगी,उसी दिन देश के विभिन्न भागों से आए सिख समुदाय के लोग लंगर में भाग लेंगे।

नगर पंचायत नगर के पौराणिक शिव मंदिर को वंदन योजना से मिली स्वीकृतिः होगा विकास-नीलम सिंह राना

बस्ती। नगर पंचायत नगर के महादेव मंदिर परिसर को विकसित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश शासन के उप सचिव राजेश्वरी प्रसाद ने वंदन योजना में इसकी स्वीकृति जारी कर दिया है। प्रदेश के अनेक जनपदों के विभिन्न पौराणिक और धार्मिक स्थलों के विकास हेतु जारी सूची में बस्ती जिले की नगर बाजार को सम्मिलित करते हुए सरकार ने नवरात्रि का उपहार दिया है।उक्त जानकारी देते हुए नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने बताया कि नगर कप्तानगंज मार्ग पर स्थित पौराणिक शिव मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि पर भव्य मेला लगता है। आस्था के महापर्व पर यहां पूरे जिले से लोग जलाभिषेक करने आते हैं। उन्होंने बताया कि शासन ने एक करोड़ उन्तालीस लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान कर पहली किस्त अवमुक्त कर दिया है। श्रीमती राना ने बताया कि इसके पूर्व सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने और संवारने के लिए श्री दुर्गा मन्दिर नगर, श्री दुर्गा मन्दिर हरनखा, ऐतिहासिक स्थल राजकोट,अमर शहीद राजा उदय प्रताप सिंह प्रतिमा स्थल विकास का कार्य कराया जा चुका है।अमर बलिदानी स्तम्भ, ऑपरेशन सिन्दूर स्मृति तिरंगा ध्वज,स्वामी विवेकानन्द प्रतिमा स्थापना का कार्य भी नगर पंचायत द्वारा किया जा चुका है। श्रीमती राना ने कहा कि विकास, विरासत और सेवा से नगर को देश के नक्शे पर स्थान दिलाना प्राथमिकता है।

रंग लायी 'राम जी का पेड़ा' की पहलः मिला बारह लाख इकतीस हजार रुपये का आर्डर

बस्ती । 'राम जी का पेड़ा' योजना की पहल को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है और अब तक इसके लिए 12,31,000 (बारह लाख इकतीस हजार रुपये) के आर्डर प्राप्त हो चुके हैं। यह जानकारी देते हुये पहल के मनीष मिश्रा ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि प्राप्त आर्डर से होने वाले लाभ में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हिस्से का प्रॉफिट नकद रूप में वितरित किया गया, क्योंकि अधिकांश महिलाओं के बैंक खाते अभी नहीं खुले हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले माह तक सभी संबंधित महिलाओं के बैंक खाते खुल जाने के पश्चात लाभ की राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की जाएगी। पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में पत्रकारों से बातचीत करते हुये मनीष मिश्रा ने बताया कि इस योजना से जुड़े 100 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं में से प्रत्येक महिला को, अर्थात् 1000 महिलाओं को 1,000–1,000 हजारा की राशि प्रदान की गई है। इसके साथ ही, महिलाओं को पेड़ा निर्माण का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है, ताकि वे उच्च गुणवत्ता का 'राम जी का पेड़ा' तैयार कर सकें और इसे प्रसाद के रूप में बेहतर मानकों के साथ उपलब्ध कराया जा सके।उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिलेगा। भविष्य में इस योजना का दायरा और विस्तारित करने की भी योजना है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इससे जुड़कर लाभान्वित हो सकें। गोरखपुर में इंसानियत और जिम्मेदारी की एक मिसाल सामने आई है। यहां आरपीएफ की महिला स्टाफ ने ट्रेन में ही एक महिला की डिलीवरी करा कर जच्चा और बच्चा की जान बचा ली। महिला बिहार की रहने वाली है। और बच्चे की डिलीवरी कराने अपने गांव जा रही थी, लेकिन रास्ते में ही ट्रेन में प्रसव पीड़ा शुरू हुई, जिसकी सूचना ष्यात्री मित्रष पर दी गई। सूचना पाते ही आरपीएफ महिला स्टाफ ट्रेन की बोगी में पहुंचे और डॉक्टर की मौजूदगी में सफलतापूर्वक डिलीवरी कराई गई। इसकी चर्चा लोग सोशल मीडिया से लेकर हर जगह कर रहे हैं।मिली जानकारी के मुताबिक आरपीएफ को ष्यात्री मित्रष के तहत सूचना मिली कि गाड़ी संख्या 15532 की जनरल बोगी में एक महिला को प्रसव पीड़ा हो रही है, इसकी सूचना आरपीएफ को हुई, ट्रेन जैसे ही गोरखपुर के प्लेटफार्म संख्या दो पर पहुंची, उपनिरीक्षक प्रियंका सिंह के नेतृत्व में दीपिका यादव, कांस्टेबल सुनीता और जवान अमित उपाध्याय ट्रेन की जनरल बोगी में महिला के पास पहुंचे, तब तक इसकी सूचना रेलवे अस्पताल को दे दी गई थी, वहां से डॉ रामप्रवेश कुशवाहा और एक महिला स्टाफ भी मौके पर पहुंच गए थे। डॉक्टर की देखरेख में ट्रेन की बोगी में ही चद्दर से घेर कर महिला की डिलीवरी कराई गई, महिला ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। आरपीएफ की महिला स्टाफ ने नवजात को गोद में लेकर दुलार और उसके साथ फोटो भी खींचाई, इस कार्य की चर्चा ट्रेन में मौजूद सभी लोग कर रहे थे, उनका कहना था कि हमारी सुरक्षा के साथ है, सेवा में भी तत्पर रहती है। आरपीएफ, इसके लिए उनका ढेर सारा आभार। महिला के कहने पर आरपीएफ टीम ने एंबुलेंस कॉल की और महिला को नवजात सहित जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ है। ट्रेन में ही डिलीवरी कराना एक उचित निर्णय था, देर होने पर कुछ भी हो सकता था?महिला के साथ मौजूद उसकी मां बेगम खातून का कहना है कि मुसर्रत परवीन मेरी बेटी है, हम लोग बिहार के समस्तीपुर स्थित ष्सलाह बुजुर्गष गांव के रहने वाले हैं। और ठकरीकलां से खगड़िया जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही बेटी को पीड़ा होने लगी तो सहयात्रियों ने इसकी सूचना ष्यात्री मित्रष को दी थी,आरपीएफ टीम द्वारा जिस तरह हमारा सहयोग किया गया है, हम उनके सदा आभारी रहेंगे। वहीं अन्य लोग भी आरपीएफ के इस कार्य की सराहना कर रहे हैं। यात्रियों का कहना था कि आरपीएफ यात्रा के दौरान हमारी सुरक्षा का ख्याल तो करती ही है, आवश्यकता पड़ने पर हमारी सेवा भी करती है। मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ के नौ वर्ष का कार्यकाल गोरखपुर में शिक्षा और चिकित्सा क्सेक्टर के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध हुआ है। सीएम योगी के विजनरी प्रयासों से गोरखपुर, समूचे पूर्वांचल और बिहार–नेपाल तक के सीमाई इलाके के लिए शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र का हब बनकर उभर रहा है। आजादी के बाद से लेकर 2017 तक गोरखपुर दो विश्वविद्यालयों (दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय व मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) वाला जिला था। योगी सरकार में इसमें दो और नए विश्वविद्यालयों की क्रियाशीलता की उपलब्धि दर्ज हुई है। नए विश्वविद्यालयों में से एक महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय मुख्यमंत्री के एक महत्वपूर्ण ड्रीम प्रोजेक्ट का साकार रूप है। यह राज्य का पहला आयुष विश्वविद्यालय भी है। जबकि दूसरा, निजी क्षेत्र का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी मुख्यमंत्री के संकल्प का प्रतिफल है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना गोरक्षपीठ के शैक्षिक प्रकल्प महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अंतर्गत की गई है। योगी आदित्यनाथ, गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं। आने वाले दिनों में गोरखपुर की उपलब्धियों में एक और विश्वविद्यालय का नाम जुड़ जाएगा। गोरखपुर के पांचवें विश्वविद्यालय के रूप में प्रदेश के पहले वानिकी और औद्यानिकी विश्वविद्यालय के स्थापना की सीएम योगी की घोषणा के बाद प्रक्रियात्मक तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। योगी सरकार के नौ साल में गोरखपुर में शैक्षिक क्षेत्र का विस्तारित होता आयाम और बढ़ती ख्याति ही है कि जहां दशकों तक देश के महामहिम राष्ट्रपति का आना कल्पना की बात लगती थी वहीं विगत सात वर्ष में दो राष्ट्रपति का तीन बार आगमन सिर्फ शैक्षिक–अकादमिक कार्यक्रमों में हुआ। दो राष्ट्रपति के तीन बार अकादमिक केंद्रित गोरखपुर आगमन पर उनकी सहभागिता कुल छह ऐसे कार्यक्रमों में रही जो विशुद्ध शिक्षा क्षेत्र से संबंधित रहे। आज का गोरखपुर शिक्षा के सभी वैषयिक रूपों के लिए विशिष्ट अध्ययन केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है।

गौरव दिवस की तैयारी को लेकर की समीक्षा बैठक

चित्रकूट। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 27 मार्च को चित्रकूट गौरव दिवस सभी क्षेत्रवासी धूमध ााम से मनाएंगे। तीर्थ क्षेत्र 22 लाख दीपों से जगमगा उठेगा। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री की तपोभूमि मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश क्षेत्र दीपकों से सुसज्जित होकर रोशनी से जगमगाएगा। सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट 1 लाख 51 हजार दीपको को प्रज्ज्वलित कर चित्रकूट गौरव दिवस को बड़े पर्व के रूप में मनाने का काम करेगा। ट्रस्ट द्वारा भरत घाट में 71 हजार, जानकी घाट चरण चिन्ह से ओशो आश्रम 35 हजार, तुलसी मार्ग में 5 हजार, चिकित्सालय परिसर में 5 हजार एवं सतना मार्ग चिकित्सालय प्रवेशद्वार से रघुवीर मंदिर तक 35 हजार दीपक जलाकर इस अद्वितीय चित्रकूट गौरव दिवस का साक्षी बनेगा। ट्रस्ट के ट्रस्टी डा इलेश जैन ने सदगुरु परिवार के सदस्यों के साथ गौरव दिवस कि तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। बताया कि सब चित्रकूट क्षेत्रवासियों के लिए बड़े गौरव का विषय है कि हर वर्ष प्रभु राम की तपोस्थली में सब लोग उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश शासन के साथ मिलकर चित्रकूट को दीपों से दुल्हन की तरह सजाकर दीपावली पर्व की तरह चित्रकूट गौरव दिवस मनाते है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा पांच टीमें गठित की गई है। प्रत्येक टीम लगभग 300 सदस्य रहेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं निदेशक पदमश्री स्व. डॉ बीके जैन हमेशा सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे और उनकी मंशा रहती थी कि हर काम में सदगुरु परिवार अपनी ऐसी सहभागिता करे जो एक मिसाल बन जाए। उनके मार्ग पर चलकर हर सपने को साकार करना है।

नदियो और वन संरक्षण में सक्रिय योगदान करें आमजन : डीएफओ

-चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, गंगा स्वच्छता की दिलाई शपथ

चित्रकूट। डीएम के मार्गदर्शन एवं प्रभागीय वनाधि ाकारी की पहल पर गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता व कार्यशाला एंव गंगा स्वच्छता शपथ कार्यक्रम शान्ती देवी इण्टर कालेज पहाड़ी में आयोजित किया गया। इस मौके पर उपनिदेशकरानीपुर टाइगर रिजर्व प्रत्युष कुमार कटियार ने छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि चित्रकूट भगवान श्रीराम की तपोभूमि है। जहाँ प्रत्येक नागरिक में उनके आदर्शों का वास है। ऐसे में सभी का दायित्व है कि चित्रकूट के वन जो है उनके संरक्षण में सक्रिय योगदान दें। कहा कि एक पेड़ माँ के नाम संकल्प के तहत प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। कहा कि पौधरोपण नदी पुनरोद्धार एवं वातावरण को शुद्ध बनाये रखने में सहायक है। इसी क्रम में राज कमल क्षेत्राधिकारी राजापुर ने बच्चों को सम्बोधित करते हुये कहा कि बुन्देलखण्ड में जल की बहुत बड़ी समस्या है। इसलियें तालाबों, कुओं, चेकडैमों, नदियों को संरक्षित करना बहुत आवश्यक है। विद्यालय के प्रबन्धक सुनील कुमार सिंह ने कहा कि लोगों को जागरूक करें कि नदी को स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें। इस मौके पर गोपाल .ष्ण गुप्ता जिला परियोजना अधिकारी ने जिला गंगा समिति के कार्यक्रम की भूमिका बताते हुये कहा कि नदियों को अविरल एवं निर्मल बनाने के लिए ऐसे आयोजन समय–समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। ताकि नदियों के संरक्षण के प्रति सचेत हो। चित्रकला प्रतियोगिता में 57 छात्र, छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें सीनियर में शान्ती देवी प्रथम, किशन कुमार द्वितीय और अश्मी सिंह तृतीय स्थान और जूनियर में जान्हवी पाण्डेय प्रथम, जान्हवी द्वितीय एवं आयुष कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मारपीट कर दीवार गिराने की दी धमकी

चित्रकूट। सीतापुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम अमानपुर के मजरा कुशवाहा पुरवा के मुकेश कुशवाहा पुत्र बाबूलाल ने चौकी में दिए पत्र में अवगत कराया कि गांव का एक दबंग व्यक्ति उसके मकान की दीवार के बगल से टॉयलेट बनवाने के लिए गड्ढा खोद रहा है। गृह स्वामी द्वारा उसे मना करने पर उसे तथा उसके पारिवारिक लोगों को जमकर मारापीटा और दीवार गिराने की ध ामकी दी। पीड़ित ने इंसाफ दिलाने की फरियाद लगाई है।

एल्यूमिनाई एसोसिएशन मीट एवं पुरातन प्रशिक्षु सम्मान समारोह में साझा किए अनुभव

चित्रकूट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में एल्युमिनाई एसोसिएशन मीट एवं पुरातन प्रशिक्षु सम्मान समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्थान के पूर्व प्रशिक्षुओं को एक साझा मंच प्रदान कर उनके अनुभवों, विचारों एवं शैक्षिक .ष्टिकोण का आदान–प्रदान करना तथा वर्तमान प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ बनाना रहा। इस अवसर पर पुरातन प्रशिक्षुओं को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। नवप्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत विविध सांस्.तिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे। कार्यक्रम के दौरान पुरातन प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षण क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान पर प्रकाश डाला। साथ ही वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों ने शिक्षण में नवाचार, समर्पण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर विशेष बल दिया।कार्यक्रम प्रभारी हेम सिंह प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से पूर्व प्रशिक्षुओं के अनुभवों से सीख लेकर शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। संस्थान के प्राचार्य बीके शर्मा ने प्रशिक्षुओं को निरंतर परिश्रम, समर्पण एवं नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जल संरक्षण, लैंगिक समानता पर हुई चर्चा

चित्रकूट। विश्व जल दिवस पर आयोजित सरकारी समन्वय कार्यक्रम में जल संरक्षण, लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा हुई। गैरसरकारी संस्था सृजन के तत्वाधान में बरगढ़ के ग्राम पंचायत कोलमजरा में विश्व जल दिवस के अवसर पर सरकारी समन्वय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 370 महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शिरकत कर ग्रामीणों का मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय वन अधिकारी रानीपुर टाइगर रिजर्व बरगढ़ रेंज नेगी जी, .ष्ण कुमार राय उप निरीक्षक थाना बरगढ़ आदि मौजूद रहे। क्षेत्रीय वन अधिकारी ने बुंदेलखंड और चित्रकूट में जल की गंभीर स्थिति पर प्रकाश डाला और जनपद में हो रहे जल संचयन के कार्यों में किसानों के हित के लिए कार्य करने का आश्वासन दिया। साथ ही सृजन टीम ने भी जल संचयन के क्षेत्र में अपने अनुभवों को साझा किया। उपनिरीक्षक और उनकी टीम ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था के बारे में बताया। वहीं अन्य वक्ताओं ने लैंगिक समानता और बच्चों की शिक्षा की अनिवार्यता पर जोर दिया। इस मौके पर संगीत टीम ने गीतों के माध्यम से जल की महत्ता और जल संरक्षण की आवश्यकता का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सृजन संस्था की टीम के अभिषेक, मीनू, पवन, वैशाली, अजय, आनंद, कविता, मनोज, केशरी, भरत, संजीत, गुलाब, अमित, राम, आरती, माला, नीता, दिनेश, शिवदास और सरिता आदि का विशेष योगदान रहा।

शैक्षिक भ्रमण के लिए रवाना किए गए सौ छात्र-छात्राएं

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा के आदेशानुसार विकासखण्ड स्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान क्विज प्रतियोगिता के टॉप 100 प्रतिभागी बालक–बालिकाओं का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम को उप जिलाधि ाकारी राजापुर फूलचंद्र यादव ने हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी पहाड़ी राजेश कुमार ने की।

एआरपी विज्ञान आलोक कुमार साहू ने बताया कि राष्ट्रीय आविष्कार अभियान विज्ञान क्विज प्रतियोगिता की परीक्षा 20 दिसम्बर 2025 को स्व. रघुवीर प्रसाद कन्या इण्टर कॉलेज पहाड़ी में हुई थी इस परीक्षा में ब्लॉक संसाधन केन्द्र पहाड़ी के लगभग 78 कम्पोजिट, उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। जिसमे 100 प्रतिभागी छात्र–छात्राओ को शैक्षिक भ्रमण के लिए प्रयागराज मे म्यूजियम, तारा मण्डल, आनन्द भवन, चन्द्र शेखर पार्क का भ्रमण कराया गया। खण्ड शिक्षा अधि ाकारी पहाड़ी राजेश कुमार ने बताया कि सभी छात्र–छात्राओ के भ्रमण मे जाने के लिए दो बस की व्यवस्था है एक बस बीआरसी पहाड़ी और दूसरी बस सरधुआ के अर्की मोड मे लगाई गई है। दोनो बसों मे सात शिक्षक व दो शिक्षिकाओ की ड्यूटी लगाई गई है। दो बसों मे एक–एक एआरपी को प्रभारी बनाया गया है। सभी छात्रों के अभिभावकों से सहमति पत्र लिया गया है। इस शैक्षिक भ्रमण मे एआरपी विज्ञान आलोक कुमार साहू, एआरपी गणित सन्तोष कुमार सिंह, ब्लाक व्यायाम शिक्षक पहाड़ी रामनारायण साहू, शिक्षक सुरेन्द्र सिंह, मनोज कुमार द्विवेदी, प्रमोद कुमार शुक्ला, कमलेश कुमार गुप्ता, विक्रम सिंह, अभिषेक सिंह चौहान, शिक्षिकाऐ रंजना सिंह एवं रश्मी सिंह सहित छात्र–छात्राओ मौजूद रहे।

अभिभावको से संपर्क कर बच्चों के नामांकन को करें प्रेरित : डीएम

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में शैक्षिक सत्र 2026–27 में स्कूल चलो अभियान के सफल संचालन के लिए जिला बेसिक अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक के साथ बैठक संपन्न हुई ।बैठक में कक्षा पांच के कुल 16760 छात्र–छात्राओं का नामांकन कक्षा छह तथा कक्षा आठ के कुल 13544 छात्र–छात्राओं का नामांकन निकटतम माध्यमिक विद्यालय एवं 5 से 6 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे आगंनवाडी, बाल वाटिका के कुल 9056 बच्चों का प्राथमिक विद्यालय के कक्षा एक, कक्षा 10 के कुल 13551 छात्र–छात्राओं का नामांकन कक्षा 11 में शत प्रतिशत कराये जानें के निर्देश दिये गये है। स्कूल सत्र के पहली अप्रैल को विद्यालयों को फूल, पत्तियों, रंगोली, झण्डियों, गुब्बारों आदि से सजाया जाए और विद्यालय आने वाले बच्चों को रोली चन्दन का टीका लगा पुष्प देकर माला पहना कर स्वागत करें। मध्यान्ह भोजन में बच्चों के लिये रूचिकर व्यंजन यथा हलवा, खीर आदि बनाया जाए। स्कूल चलो अभियान के द्वारा विद्यालयों में नामांकन में वृद्धि तथा नामांकित छात्र छात्राओं की नियमित उपस्थिति बढ़ाने के लिये समुदाय एवं अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। घर–घर जाकर सर्वे करने व आउट ऑफ स्कूल बच्चों के चिन्हाकन, नामांकन में मलिन बस्तियों, झुग्गी झोपड़ियों, रेलवे स्टेशन इंट भट्ठों पर कार्यरत परिवारों तथा जनजाति एवं घुमन्तु समुदायों पर, ओवरब्रिज के नीचे अस्थायी आवास में रहने वाले परिवारों, परम्परागत कुटीर एवं लघु, सूक्ष्म उद्यमों अभिभावकों से सम्पर्क कर बच्चों के नामांकन के लिये प्रोत्साहित किये जाने के निर्देश डीएम ने जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक अधि ाकारी, को दिये है।

डीएम ने की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यो की समीक्षा

-आरबीएसके के अच्छा कार्य करने पर डाक्टर व फाउंडेशन की टीम सम्मानित

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई। जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत समस्त गतिविधियों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के अन्तर्गत मुख्य चिकित्सा अधीक्षक संयुक्त जिला चिकित्सालय, एमसीएच विंग खोह सहित समस्त ब्लॉक के चिकित्सा अध ाीक्षक को आईपीडी बढ़ाने के साथ भर्ती मरीजों का इलाज अच्छे से किये जान, यदि आवश्यक हो तो मरीजों को संदर्भित किये जाने, शत प्रतिशत प्रसव संस्थागत कराये जाने, टीकाकरण से कोई भी बच्चे वंचित न रहें यदि एएनएम कम हैं तो अतिरिक्त सत्र कराते हुए पूर्ण किये जाने तथा आशा के रिक्त पदों पर शीघ्रातिशीघ्र चयन किये जाने, यदि चयन में कोई परेशानी आ रही हो तो डीपीआरओ के साथ मिलकर उक्त चयन को पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान सदन को अवगत कराया गया कि क्लब फुट (हर्डियों और जोडों की एक ऐसी वि.त जो नवजात शिशुओं में सामान्य रूप से पायी जाती है) के बच्चों को आरबीएसके टीम द्वारा चिन्हित करते हुए अप्रैल 2025 से अब तक 34 बच्चों का उपचार कराया गया। जिलाधि ाकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा उपचारित बच्चों एवं अभिभावकों को प्रोत्साहित करने के साथ आरबीएसके के अन्तर्गत अच्छा काम करने पर डा पवन कुमार सिंह, डा संदीप सिंह एवं प्रदीप नामदेव फिजियोथेरेपिस्ट तथा अनुष्का फाउन्डेशन से ज्योति राव को प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रामघाट 29 व 3 सेक्टर में बांटा गया परिक्रमा मार्ग

–गौरव दिवस पर दीप जलाने को लेकर सौपी गई जिम्मेदारी

चित्रकूट। कलेक्ट्रेट सभागार सोनेपुर में एसपी अरूण कुमार यादव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में चित्रकूट गौरव दिवस पर दीप प्रज्जवल कार्यक्रम किये जाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुयी। जिसमें अपर उप जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी न्यायिक राजापुर, बन्दोबस्त अधि ाकारी चकबन्दी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधि ाशाषी अधिकारी नगर पालिका आदि उपस्थित रहे। रामघाट को 29 सेक्टर व परिक्रमा मार्ग को 3 सेक्टर में बांटा गया है। रामघाट पर आ.ति व रंगोली का कार्य जिला विद्यालय निरीक्षक व बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया है जो अध यापको एवं छात्राओ से आ.ति व रंगोली का कार्य कराएंगें। प्रत्येक सेक्टर में 15 वालिंटियर लगाये जायेगें। जिनमें दीप रखने व दीप जलाये जाने का कार्य किया जायेगा। सम्पूर्ण चित्रकूट में लाखो दीप जलाये जाने है। रामघाट में जो दीप जलाये जाने है उन्हें अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद द्वारा सेक्टर मजिस्ट्रेट को उनके सेक्टर पर ही उपलबध कराये जायेगे। परिक्रमा मार्ग में मंदिरो द्वारा स्वयं दीप जलाये जायेगे। जलने वाले दीपो के आपस की दूरी 06 इंच निर्धारित की गयी है जो 27 मार्च को सायं 6:30 बजे से जलाये जाने है। समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी अपने–अपने सेक्टरो में लगा दी गयी है। सम्बन्धि ात सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटो को निर्देशित किया गया है कि अपने–अपने सेक्टर पर दोपहर एक बजे उपस्थित होकर अधि ाशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी से दीप प्राप्त करते हुए निर्धारित समय में दीप जलाये जाना सुनिश्चित करें। ताकि गौरव दिवस का कार्यक्रम दिव्य एवं भव्य प्रदर्शित हो सकें।

पाठा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर दसवें दिन जारी रहा अनशन

चित्रकूट। बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में पाठा क्षेत्र की मूलभूत जनसमस्याओं को लेकर शहीद स्मारक पार्क एलआईसी तिराहा कर्वी में चल रहा क्रमिक अनशन मंगलवार को दसवें दिन भी जारी रहा। खराब मौसम आंधी, बारिश के बावजूद आंदोलनकारियों का उत्साह कम नहीं हुआ। अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। अनशन के दसवें दिन अधिवक्ताओं ने मौके पर पहुंचकर समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि जब तक क्षेत्र की समस्याओं का समाध ाान नहीं हो जाता तब तक आंदोलनकारियों का संघर्ष जारी रहेगा और वे भी उनके साथ खड़े हैं। स्पष्ट कहा कि मांगें पूरी होने तक घर वापसी नहीं होगी। इस दौरान अधिवक्ता राम.ष्ण सोनी, छोटेलाला, प्रखर पटेल, समाजसेवी मुकेश कुमार, मोहम्मद अनस खान, रामेन्द्र निषाद, मान सिंह, हरिओम, दीपक कुमार, संजय कोटार्य, रिंकू बुन्देला, संजय गौतम आदि मौजूद रहे। अनशनकारियों का कहना है कि लंबे समय से उपेक्षित मांगों के समाधान के लिए कई बार प्रशासन को ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में मजबूर होकर उन्हें अनशन का रास्ता अपनाना पड़ा है।

लेखाकार के रिक्त पदो को भरने की उठाई मांग

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा एसोसिएशन के अध्यक्ष हर्ष प्रसाद पांडेय ने बताया कि बैठक कार्यालय अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई खंड में संपन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मत से जनपद की कार्यकारिणी में पदाधिकारियों को चयनित किया गया है। संरक्षक लक्ष्मी प्रसाद यादव, अध्यक्ष हर्ष प्रसाद पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार, महासचिव अजीमुद्दीन, उपाध्यक्ष विनोद कुमार, संयुक्त सचिव ओंकार सिंह, कोषाध्यक्ष मोहम्मद नासिर, कार्यकारी सदस्य नीरज कुमार सिंह, राम सागर, अमित कुमार गुप्ता निर्वाचित हुए हैं। कार्यकारिणी के उपस्थित सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि आकांक्षी जनपद होने के बावजूद अधिकांश विभागों में लेखाकार के पद रिक्त हैं। फलस्वरूप एक–एक लेखाकार के पास दो से तीन विभाग का कार्यभार होने के कारण अत्यधिक दबाव में कार्य कर रहे हैं। इसके संबंध में निदेशक आंतरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग से वार्ता कर प्राथमिकता के आधार पर जनपद में रिक्त पदों पर तैनाती कराई जाए।

नष्ट कराया पांच कुंतल लहन, 35 लीटर कच्ची शराब बरामद

चित्रकूट। जिला आबकारी अधिकारी अखिलेन्द्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम ने मंदाकिनी नदी के किनारे थाना कर्वी के अंतर्गत ग्राम मालकाना में संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी तथा संदिग्ध स्थलों की सघन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान लगभग 500 किग्रा लहन बरामद किया गया। जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। साथ ही 35 लीटर अवैध शराब जब्त कर एक आरोपी के विरुद्ध अभियोग पंजी.त किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जनपद में अवैध मदिरा के व्यापार में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

मूकबधिर बालक की तलाश जारी

चित्रकूट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश के क्रम में अवगत कराया गया है कि बाल देखरेख संस्थान लाडवा जिला कुरुक्षेत्र हरियाणा में निवासरत गुमशुदा मूकबाधिर बालक की फोटो को जिलाधिकारी कार्यालय, पुलिस थाना, बाल संरक्षण इकाई अन्य सरकारी कार्यालयों के माध्यम से प्रसारित किए जाने के लिए प्रेषित किया गया है। जिसका अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराया जाए।

लोक कल्याण के उद्देश्य से हुआ श्रीसीताराम का विवाह- स्वामी स्वरूपानन्द

9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

बस्ती। श्रीरामचरितमानस में महाकवि गोस्वामी तुलसीदासजी ने भगवान श्री राम और जनकनन्दिनी सीता के विवाह का वर्णन बड़ी ही सुंदरता से किया है। इनका विवाह पूरी रामायण की सबसे महत्वपूर्ण घटना है क्योंकि प्रकृ ति के नियंता को ज्ञात था कि जीवन में चौदह वर्ष का वनवास और रावण जैसे अहंकारी असुर का वध धैर्य के वरण के बगैर संभव नहीं है। अतः श्रीराम–जानकी का विवाह मुख्य रूप से यह एक बड़े संघर्ष से पूर्व धैर्यवरण का प्रसंग है। यह सद् विचार कथा ब्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में छठवें दिन व्यक्त किया। श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण के स्वरूप में बालकों की छवियां श्रोताओं को भा गई ।श्रीराम, लक्ष्मण, भरत शत्रुघ्न के नामकरण, यज्ञ रक्षा हेतु विश्वामित्र के साथ वन गमन आदि प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि विश्वामित्र के आग्रह पर दशरथ श्रीराम को भेजने के लिये तैयार नहीं हुये '' राम देत नहीं बनइ गुंसाईं। देह प्रान तें प्रिय कछु नाहीं। सोउ मुनि देउँ निमिष एक माही।। किन्तु जब गुरू वशिष्ठ ने उन्हें समझाया कि सब मंगल होगा राम के जन्माक्षर बता रहे हैं कि इस वर्ष इन चारों कुमारों के विवाह का योग है तो यह सुनकर दशरथ हर्षित हो गये। दशरथ सदगुरू के अधीन थे और गुरूदेव की आज्ञा को शिरोधार्य किया। कथा प्रसंगो के क्रम में महात्मा जी ने कहा कि जीवन में सदगुण से ही मिठास आती है। जिसके जीवन में मधुरता नही ईश्वर उसे प्रिय नही है। महादान और द्रव्यदान से भी मान दान श्रेष्ठ है। विश्वामित्र के साथ श्रीराम लक्ष्मण चले। विश्वामित्र के गुणों की चर्चा करते हुये महात्मा जी ने कहा कि विश्व जिसका मित्र है वही विश्वामित्र है। जगत मित्र बनोगे तो राम, लक्ष्मण तुम्हारे पीछे–पीछे आयेंगे। भगवान कहते हैं जब जीव मेरे दर्शन के लिये आता है तो मैं खड़ा होकर उसे दर्शन देता हूं। ईश्वर की दृष्टि तो जीव की ओर अखण्ड रूप से है, जीव ही ईश्वर की ओर दृष्टि नहीं करता है। राम जी सभी से प्रेम करते हैं। वे हमेशा धनुष वाण अपने साथ रखते हैं। ध ानुष ज्ञान का और वाण विवेक का स्वरूप है। ज्ञान और विवेक से सदा सज्जित रहो क्योंकि काम रूपी राक्षस न जाने कब विघ्न करने आ जाये। जिसकी आंखों में पाप है वही राक्षस है। कथा व्यास ने धनुष भंग से लेकर श्रीराम विवाह तक के प्रसंगों का रोचक वर्णन करते हुये कहा कि श्रीराम के विवाह का उद्देश्य लोक कल्याण है।श्रीराम कथा के छठवें दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान संजीव सिंह ने पूजन किया।

शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यटन के मुद्दो पर भेजा ज्ञापन

चित्रकूट। सेवा भारती के जिला महामंत्री राज किशोर शिवहरे, गुरु प्रकाश शुक्ला, शिवकुमार ने जनहित की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को डीएम के माध्यम से ज्ञापन भेजा है।

ज्ञापन में निशुल्क अभ्युदय कोचिंग पुस्तकालय के लिए अतिरिक्त हाल निर्माण के साथ ही लगभग 37 वर्षों से उपेक्षित गोस्वामी तुलसीदास महाविद्यालय बेड़ीपुलिया में एमएससी, एम कॉम के विषयों के संचालन के लिए शीघ्र कार्यवाही, राजकीय बालिका महाविद्यालय का अति शीघ्र संचालन, दशकों से उपेक्षित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजापुर के लिए भवन निर्माण, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, एवं एग्रीकल्चर महाविद्यालय निर्माण, राजकीय पॉलिटेक्निक मानिकपुर की बाउंड्रीवॉल एवं सड़क निर्माण कार्य, जिला चिकित्सालय में हार्ट एवं न्यूरो स्पेशलिस्ट की शीघ्र नियुक्ति, आयुष विभाग में दावावों एवं नियमित संचालन, यूनिट की स्थापना, दो सौ बिस्तर के अस्पताल का संपूर्ण सुविध ााओं के साथ शीघ्र संचालन, बरगढ़ में बंद पड़ी ग्लास फैक्ट्री की जमीन को अधिग्रहीत कर कोई नई निर्माण इकाई की स्थापना, डिफेंस कॉरिडोर के निर्माण, पर्यटन के सभी तीर्थों के दर्शन के लिए सिटी बस के संचालन, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच संचालित टैक्सियों की बाध्यता समाप्त करने और अनैतिक रूप से चल रहे टैक्सी यूनियनों को समाप्त करने की कार्यवाही, रामघाट और परिक्रमा मार्ग में दो पहिया वाहनों आवारा जानवरों और गंदगी फैलाने वाली वस्तुओं साबुन शैंपू पान गुटका सिगरेट मसाला को पूर्णतः प्रतिबंध के साथ जुर्माने का भी प्रावधान, परिक्रमा मार्ग पर दुकानदारों द्वारा सामान लगाकर किए गए अतिक्रमण पर पूर्ण प्रतिबंध, चित्रकूट डिपो की बसों का अतिशीघ्र संचालन, चित्रकूट से लखनऊ, चित्रकूट से दिल्ली, चित्रकूट से जबलपुर, चित्रकूट से बनारस, चित्रकूट से भोपाल, जैसे शहरों के लिए नई बसों एवं ट्रेनों के संचालन की कार्यवाही, गरीब रथ और दुर्ग को नियमित करने एवं इंटरसिटी को लखनऊ तक बढ़ाए जाने की कार्यवाही, मंदाकिनी नदी को अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त करना, बंधुइन में नए फाटक युक्त डैम का निर्माण आदि अति आवश्यक जनहित कार्यों को यथोचित शीघ्र पूर्ण कराए जाने की मांग की है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर दिया धरना, भेजा ज्ञापन

पेंशनर्स के वर्गीकरण का नया कानून वापस ले सरकार

बस्ती । बुधवार को संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के मण्डल संयोजक आर.के. पाण्डेय के नेतृत्व में 16 संगठनों के पदाधिकारियों, सेवा कर्मचारियों ने काला फीता बांध ाकर विरोध दिवस मनाते हुये जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से प्रध ाानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि पेंशनर्स के वर्गीकरण का नया कानून सरकार वापस ले। इस कानून से सेवा निवृत्त कर्मचारियों के हित प्रभावित होंगे।

संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के सह संयोजक राम बहोर मिश्र ने कहा कि केन्द्र सरकार ने नया कानून लाकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों का वर्गीकरण कर दिया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों को कैशलेश चिकित्सा सुविधा से उत्तर प्रदेश की सरकार ने वंचित कर दिया है जबकि वृद्धावस्था में उन्हें इसकी सर्वाधिक आवश्यकता पड़ती है। उन्होने मांग किया कि सेवानिवृत्त शिक्षकों के हित में कैशलेश चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाय ।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि शिक्षक सेवा निवृत्त शिक्षकों के साथ है और उनकी न्यायोचित मांगों को लेकर हर स्तर पर संघर्ष किया जायेगा। ध ारने को आर.के. पाण्डेय, संयुक्त कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा, जलालुद्दीन कुरेशी, शिवकुमार तिवारी, राम मिलन वर्मा, रक्षाराम वर्मा, रामफेर यादव, दान बहादुर दूबे, लक्ष्मी गुप्ता, हरिशर्मा द्विवेदी आदि ने सम्बोधित किया। कहा कि पेंशनर्स के वर्गीकरण का नया कानून सरकार वापस ले ।धरने में मुख्य रूप से ए.एन. सिंह, डी. एन. दूबे, राम नरायन उपाध याय, बद्री प्रसाद चौधरी, मदन मोहन चौधरी, जयन्ध्त्रीधर दूबे, राम सागर चौधरी, रामपलट, राम सहाय, ब्रम्हदत्त पाण्डेय, निर्मल प्रसाद, कृपाशंकर चौध ारी, देवी प्रसाद शुक्ल, परमात्मा प्रसाद ओझा, अद्या प्रसाद, ब्रम्हदत्त पाण्डेय, ओंकार सिंह, रमाकान्त पाण्डेय, ध्रुवचन्द्र वर्मा, देवी प्रसाद, वी.पी. सिंह, उदयभान दूबे, राधेश्याम, दयाराम पाण्डेय, रामपलट के साथ ही बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के सेवा निवृत्त कर्मचारी, पदाधिकारी शामिल रहे।

कप्तान पैट कमिंस ने अपनी वापसी पर दिया बड़ा अपडेट, जानें क्या कहा?

पैट कमिंस ने बताया कि उनकी फिटनेस में तेजी से सुधार हो रहा है। वह नेट्स में गेंदबाजी करने लग गए हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह दूसरे चरण तक सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में एंट्री ले लेंगे और फाइनल खेलेंगे।आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले कई टीमें अपनी इंजर्ड खिलाड़ियों से जूझ रही है। इस लिस्ट में सनराइजर्स हैदराबाद का भी नाम शामिल है जो पहले से ही कप्तान पैट कमिंस की इंजरी और रिकवरी को लेकर असमंजस में है। जिसके चलते इशान किशन को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। हालांकि, खुद अब पैट कमिंस ने अपनी वापसी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। पैट कमिंस ने बताया कि उनकी फिटनेस में तेजी से सुधार हो रहा है। वह नेट्स में गेंदबाजी करने लग गए हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह दूसरे चरण तक सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में एंट्री ले लेंगे और फाइनल खेलेंगे। दरअसल, बिजनेस ऑफ स्पोर्ट पॉडकास्ट पर बात करते हुए दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पुष्टि की है कि उन्होंने नेट्स में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। हालांकि, कमिंस ने आईपीएल 2026 के पहले फेज को मिस करना लगभग तय है, लेकिन उन्हें पूरी उम्मीद है कि वो दूसरे फेज के शुरू होने से पहले टीम

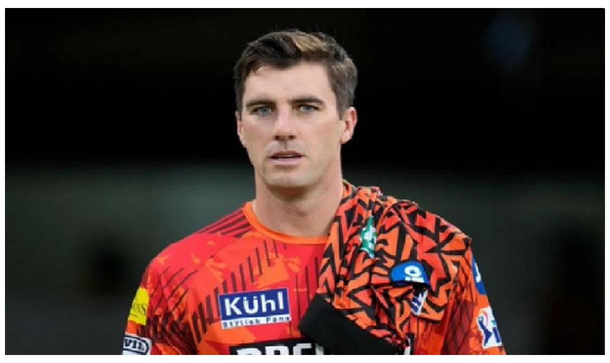

के साथ जुड़ जाएंगे। पैट कमिंस ने पॉडकास्ट में बताया कि वो हर तीसरे दिन नेट्स में गेंदबाजी कर रहे हैं। हमने एक प्लान तैयार किया है ताकि मैं टूर्नामेंट के बीच तक पूरी तरह से फिट हो सकूं। पूरी उम्मीद है कि मैं आईपीएल 2026 का दूसरा फेज और टूर्नामेंट का फाइनल खेलूंगा।

अरे तुम क्या हो, बकवास कर रहे हो..योगराज सिंह अश्विन पर बिफरे, अर्जुन तेंदुलकर का किया समर्थन

योगराज सिंह ने कहा कि, अश्विन ने अर्जुन तेंदुलकर को लखनऊ की प्लेइंग 11 में शामिल नहीं किया साथ ही उन्हें खेलने का मौका नहीं मिलेगा ऐसी बात भी कही। इस बात पर योगराज सिंह ने काफी बुरी तरह से रिएक्ट किया। उन्होंने आर अश्विन के बारे में कहा कि वो बकवास कर रहा है। हाल ही में आर अश्विन ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी पसंदीदा लखनऊ की प्लेइंग 11 का चयन किया था। इस टीम में उन्होंने अर्जुन तेंदुलकर को जगह नहीं दी थी। यही नहीं उन्होंने कहा था कि, अर्जुन को शायद ही खेलने का मौका मिले क्योंकि लखनऊ की टीम में कई बेहतरीन गेंदबाज मौजूद हैं। वहीं अब पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने इनसाइड स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा कि, अश्विन ने अर्जुन तेंदुलकर को लखनऊ की प्लेइंग 11 में शामिल नहीं किया साथ ही उन्हें खेलने का मौका नहीं मिलेगा ऐसी बात भी कही। इस बात पर योगराज सिंह ने काफी बुरी तरह से रिएक्ट किया। उन्होंने आर अश्विन के बारे में कहा कि वो बकवास कर रहा है। ये अश्विन जो कोई भी है उसे पता होना चाहिए कि किसी के बारे में क्या बात करनी चाहिए। कोई टीवी पर बैठकर कह रहा है कि वो नहीं कर सकता, वो नहीं कर सकता, अरे तुम क्या हो भाई। योगराज सिंह ने आगे कहा कि जब क्रिकेटर इस तरह की बातें करते हैं... वो सचिन तेंदुलकर का बेटा है ये अलग बात है। जब वो यहां था तब मैंने युवी से कहा था कि सब अर्जुन तेंदुलकर के बारे में गलत

चीज पर ध्यान दे रहे हैं। वो गेंदबाज नहीं है उसे रीढ़ की हड्डी की समस्या थी और उसका हाथ 45 डिग्री से नीचे आता है। जब वह गोवा की टीम के साथ था तो मैंने उसके कोच से भी ये बात कही थी। जब वो बल्लेबाजी कर रहा था तब छक्के और चौके लगा रहा था। मैंने उसके कोच से कहा था कि आप लोग क्या बकवास कर रहे हैं, अगर आप ये नहीं कर सकते तो उसे मेरे पास भेज दो। योगराज यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि, अगर आप लोगों से नहीं हो रहा है तो अर्जुन को मेरे पास भेज दो। अगर वो मेरे पास 6 महीने रह लेगा तो वो दुनिया के सभी बल्लेबाजों को सरपास कर देगा। अगर वो ऐसा नहीं कर पाता है तो मैं अपनी दाढ़ी कटवा लूंगा। मेरे काम करने का यही तरीका है।

आरसीबी को नया मालिक मिलने के साथ बदलेगा नाम? अनन्या बिड़ला ने दिया ये जवाब

आरसीबी का मालिक बदल गया है। अब इस फ्रेंचाइजी का हक आदित्य बिड़ला ग्रुप की नेतृत्व वाली समूह के पास है जिसमें टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन की प्राइवेट इक्विटी शामिल हैं।आईपीएल 2026 से ठीक पहले आरसीबी का मालिक बदल गया है। अब इस फ्रेंचाइजी का हक आदित्य बिड़ला ग्रुप की नेतृत्व वाली समूह के पास है जिसमें टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन की प्राइवेट इक्विटी शामिल हैं। आदित्य बिड़ला ग्रुप की नेतृत्व वाली समूह ने आरसीबी को 1.78 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,705 करोड़ रुपये में खरीदा है। अब सवाल ये है कि क्या आरसीबी का नाम भी बदलेगा?रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु का नाम बदला जाएगा या नहीं इसको लेकर कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी अनन्या बिड़ला ने आरसीबी की मालिकाना हक मिलने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट को रीपोस्ट किया है। इसमें कहा गया है कि टीम का नाम नहीं बदला जाएगा। यानी टीम इसी नाम के साथ आगे बढ़ेगी। अनन्या बिड़ला ने अपने पोस्ट में लिखा कि आदित्य बिड़ला ग्रुप की नेतृत्व वाली समूह ने ये फैसला किया है कि टीम

का नाम नहीं बदला जाएगा। आरसीबी की नई संरचना के तहत आदित्य बिड़ला ग्रुप के निदेशक आर्यमन विक्रम बिड़ला चेयरमैन का पद संभालेंगे जबकि टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के सत्यन गजवानी वाइस चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे।

आरसीबी की ओपनिंग जोड़ी पर फिर टिकी निगाहें

विराट कोहली और फिल सॉल्ट की सलामी जोड़ी आगामी आईपीएल सीजन के लिए फिर से तैयार है, जिसका संकेत कोहली के नेट्स में गेंदबाजी करने वाले वीडियो से मिलता है। सॉल्ट की हालिया फॉर्म पर सवालों के बावजूद, टीम प्रबंधन ने उन पर भरोसा जताया है, क्योंकि पिछले सीजन में इस जोड़ी ने 13 पारियों में 565 रन बनाकर अपनी काबिलियत साबित की थी।आईपीएल शुरू होने से पहले ही अभ्यास सत्रों से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो चर्चा में आ गए हैं और फैंस के बीच उत्साह साफ नजर आ रहा है।बता दें कि विराट कोहली हाल ही में अभ्यास के दौरान गेंदबाजी करते हुए नजर आए, जहां उन्होंने अपने साथी सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट को गेंदें डालीं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।गौरतलब है कि आरसीबी का पहला मुकाबला 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला जाना है। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा, जहां टीम अपने अभियान की शुरुआत करेगी।मौजूद जानकारी के अनुसार, कोहली और फिल सॉल्ट की जोड़ी पिछले सीजन में टीम की सफलता का बड़ा कारण रही थी। दोनों ने मिलकर कई मुकाबलों में तेज शुरुआत दिलाई, जिसमें सॉल्ट आक्रामक भूमिका निभाते थे, जबकि कोहली पारी को संभालने का काम करते थे।बताते चलें कि दोनों बल्लेबाजों ने साथ मिलकर 13 पारियों में 565 रन जोड़े थे, जो टीम के लिए बेहद अहम

साबित हुए। खासकर कोलकाता के खिलाफ एक मुकाबले में दोनों ने तेज साझेदारी करते हुए लक्ष्य हासिल करने में अहम भूमिका निभाई थी।गौरतलब है कि जयपुर में राजस्थान के खिलाफ भी दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उनकी सलामी साझेदारी ने टीम को आसान जीत दिलाई थी।हालांकि हाल के समय में फिल सॉल्ट का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है, जिसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। लेकिन टीम प्रबंधन ने इन चिंताओं को ज्यादा महत्व नहीं दिया है।

हवाई सफर होगा और महंगा! प्दकपफव ने दी चेतावनी, बढ़ते

पश्चिम एशिया में तनाव, महंगे ईंधन और बीमा लागत में वृद्धि के कारण इंडिगो समेत प्रमुख एयरलाइंस ने अतिरिक्त ईंधन शुल्क लागू कर दिया है, जिससे हवाई यात्रा महंगी हो गई है। इस मूल्य वृद्धि का सीधा असर यात्रियों की यात्रा योजनाओं पर पड़ सकता है और विमानन कंपनियों को मांग में कमी का सामना करना पड़ सकता है।इंडिगो ने चेतावनी दी है कि ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें आने वाले समय में यात्रा मांग को प्रभावित कर सकती हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, कंपनी का कहना है कि गर्मी के मौसम में यात्रियों की संख्या पर इसका असर पड़ सकता है।गौरतलब है कि भारत में सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली इस विमान सेवा के सामने लागत का दबाव तेजी से बढ़ रहा है। कंपनी के मुताबिक ईंधन और विदेशी मुद्रा से जुड़े खर्च लगातार बढ़

रहे हैं, जिससे संचालन महंगा होता जा रहा है।बताते चलें कि विमान उद्योग इस समय तीन तरफ से दबाव झेल रहा है, जिसमें ईंधन की कीमतों में तेजी, बीमा लागत में बढ़ोतरी और हवाई मार्गों में बदलाव शामिल हैं। पश्चिम एशिया में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण विमानों को लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे खर्च और समय दोनों बढ़ रहे हैं।मौजूद जानकारी के अनुसार, विमान ईंध ान कुल संचालन लागत का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा होता है, ऐसे में कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर किराए पर पड़ रहा है। इसी दबाव को कम करने के लिए इंडिगो ने 14 मार्च से अतिरिक्त ईंधन शुल्क लागू किया है, जो दूरी के हिसाब से अलग–अलग तय किया गया है।गौरतलब है कि एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और आकासा एयर जैसी अन्य कंपनियों ने भी इसी तरह के अतिरिक्त शुल्क लागू किए हैं।कंपनी का कहना है कि किराए में बढ़ोतरी का असर यात्रियों की संख्या पर पड़ सकता है और मांग में कमी आ सकती है। ऐसे में स्थिति के अनुसार उड़ानों की संख्या और क्षमता में बदलाव किया जाएगा।मौजूद जानकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का कार्यक्रम अभी पूरी तरह तय नहीं है और हालात के अनुसार इसमें बदलाव किया जा सकता है। वहीं घरेलू स्तर पर कंपनी अभी भी पिछले महीनों में हुए संचालन से जुड़े संकट से उबरने की कोशिश कर रही है।इस बीच शेयर बाजार में कंपनी के प्रदर्शन में तेजी देखने को मिली है, जहां इसके शेयरों में उछाल दर्ज किया गया।इस तरह देखा जाए तो बढ़ती लागत और वैश्विक अस्थिरता के बीच विमान कंपनियों के सामने संतुलन बनाना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है और इसका सीधा असर यात्रियों की जेब और यात्रा योजनाओं पर पड़ सकता है।

130,इनम टैक्स के नियमों में हो रहा बड़ा फेरबदल

आयकर के नए नियमों के तहत टैक्सपेयर्स को 1 अप्रैल 2026 से प्ज्त फाइलिंग में बड़े बदलावों का सामना करना पड़ेगा, जिसमें सबसे प्रमुख है फॉर्म 16 को हटाकर अधिक विस्तृत फॉर्म 130 का आना। इन प्रणाली–आधारित नियमों से जहां वेतनभोगी लोगों को राहत मिल सकती है, वहीं निवेशकों को पूंजीगत लाभ और संपत्ति का सटीक ब्योरा देना होगा क्योंकि अब जानकारी का मिलान स्वचालित होगा। आने वाले समय में आयकर रिटर्न भरने का तरीका पहले से काफी अलग नजर आने वाला है और टैक्सपेयर्स को नई व्यवस्था के मुताबिक खुद को तैयार करना होगा।बता दें कि 1 अप्रैल 2026 से नए आयकर नियम लागू होने जा रहे हैं, जिनके तहत रिटर्न दाखिल करने की पूरी प्रक्रिया में बड़े बदलाव किए गए हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, सरकार ने केवल फॉर्म में बदलाव नहीं किया है, बल्कि पूरी प्रणाली को ज्यादा पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में कदम उठाया है।गौरतलब है कि इस बदलाव के केंद्र में तीन अहम बातें हैं, जिनमें नए प्रारूप के रिटर्न फॉर्म, पुराने फॉर्म 16 की जगह नए फॉर्म 130 का इस्तेमाल और पूरी प्रक्रिया को अधिक डिजिटल व प्रणाली आधारित बनाना शामिल है।नए नियमों के तहत रिटर्न फॉर्म को पूरी तरह से फिर से तैयार किया गया है। इसमें आय और कटौतियों की जानकारी पहले से ज्यादा विस्तार में देनी होगी। खासतौर पर पूंजीगत लाभ को अल्पकालिक और दीर्घकालिक श्रेणियों में स्पष्ट रूप से बताना जरूरी होगा। साथ ही संपत्तियों से जुड़ी जानकारी भी ज्यादा विस्तृत तरीके से मांगी जा सकती है।मौजूद जानकारी के अनुसार, अब संपत्ति की अवधि और उसके मूल्यांकन के लिए भी तय नियम लागू होंगे, जिससे गलत जानकारी देने की संभावना कम हो सके। इससे निवेश करने वाले और ज्यादा आय वाले करदाताओं के लिए प्रक्रिया थोड़ी जटिल हो सकती है, जबकि वेतनभोगी लोगों के लिए पहले से भरे हुए रिटर्न कुछ हद तक राहत दे सकते हैं।बता दें कि सबसे बड़ा बदलाव फॉर्म 16 को हटाकर फॉर्म 130 लागू करना है। यह फॉर्म भी नियोक्ता द्वारा जारी किया जाएगा, लेकिन इसमें वेतन, कटौती, कर योग्य आय और कर देनदारी से जुड़ी जानकारी पहले से कहीं ज्यादा विस्तार में दी जाएगी।गौरतलब है कि यह नया फॉर्म पूरी तरह से प्रणाली आधारित होगा और इसे सीधे पोर्टल से डाउनलोड करना होगा। इसे हाथ से तैयार नहीं किया जा सकेगा। साथ ही यह तभी जारी होगा, जब तिमाही कर कटौती का विवरण सही तरीके से जमा किया गया होगा।इसका सीधा असर यह होगा कि करदाताओं की जानकारी अब प्रणाली से मिलान के आधार पर जांची जाएगी। किसी भी तरह की गलती या अंतर तुरंत सामने आ सकता है, जिससे रिटर्न प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।मौजूद जानकारी के अनुसार, नए नियमों के साथ रिटर्न प्रक्रिया ज्यादा स्वचालित हो जाएगी। इसमें पहले से भरी जानकारी, स्वतः जांच और आंकड़ें के मिलान की सुविधा बढ़ेगी। इससे सही जानकारी देने वालों को फायदा होगा, जबकि गलत या अधूरी जानकारी देने वालों को परेशानी हो सकती है।जहां तक रिफंड की बात है, उसमें सीधे तौर पर समय सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि जिन मामलों में जानकारी सही होगी, वहां रिफंड जल्दी मिल सकता है। वहीं अगर आंकड़ों में अंतर पाया गया तो देरी भी हो सकती है।बताते चलें कि इन बदलावों का असर अलग–अलग वर्गों पर अलग तरीके से पड़ेगा। वेतनभोगी लोगों को नया फॉर्म और पहले से भरे रिटर्न देखने को मिलेंगे, जबकि निवेश करने वालों को अपनी आय का ज्यादा सटीक विवरण देना होगा। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन और ब्याज आय की संयुक्त जानकारी से कुछ राहत मिल सकती है।इस तरह देखा जाए तो नए आयकर नियम कर की दर बढ़ाने के बजाय पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और सटीक बनाने पर केंद्रित हैं और आने वाले समय में करदाताओं के लिए सही जानकारी देना सबसे महत्वपूर्ण पहलू बनकर सामने आने वाला है।

ग्लोबल मार्केट में हलचल से सोना-चांदी रश्केट में 11,250 की तूफानी तेजी

मजबूत वैश्विक संकेतों और बेहतर भू–राजनीतिक माहौल के चलते दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल आया। चांदी प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि सोना 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 11,250 रुपये

11,250 रुपये बढ़कर 2.41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि सोने का भाव 4,900 रुपये की तेजी के साथ 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मजबूत वैश्विक रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को बहुमूल्य ध ातुओं की कीमतों में पांच प्रतिशत तक की तेजी आई। इस तेजी के कारण चांदी 11,250 रुपये चढ़कर 2.41 लाख रुपये या 4.89 प्रतिशत बढ़कर 2,41,250 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जो मंगलवार के बंद भाव 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 4,900 रुपये या 3.38 प्रतिशत बढ़कर 1,49,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। सर्राफा बाजार में सोने का पिछला बंद भाव 1,44,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक–जिंस सौमिल गांध ी ने कहा कि बुधवार को घरेलू बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी आई, जो हाल के सत्रों में एक मजबूत सुधार का संकेत है। इसे बेहतर भू–राजनीतिक माहौल से बल मिला।अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना 82.17 डॉलर या लगभग दो प्रतिशत बढ़कर 4,556.55 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी दो प्रतिशत की तेजी के साथ 72.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। मिराए एसेट शेयरखान के शोध ा विश्लेषक प्रवीण सिंह ने कहा कि हाजिर सोने में लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और यह लगभग 4,550 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि निवेशकों को अमेरिका के साथ ईरान के संभावित संघर्षविराम की उम्मीद जगी है, जिसके कारण कच्चे तेल और डॉलर की कीमतों में गिरावट आई है।खबरों के अनुसार, ईरान को इस संघर्ष में संघर्षविराम तक पहुंचने के लिए अमेरिका से 15–सूत्रीय प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर उम्मीद जताई है, और कहा है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो इस संबंध में बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत से इनकार किया है, और एक सैन्य प्रवक्ता ने बातचीत के दावों को खारिज कर दिया है। इस बीच, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कुछ व्यापारिक जहाजों पर पारगमन शुल्क लेना भी शुरू कर दिया है, जिससे वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता और बढ़ गई है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें

सरकारी तेल कंपनियों (आईओसी, बीपीसीएल, एचपीसीएल) ने देश में पेट्रोल–डीजल की कमी की अफवाहों को खारिज करते हुए उपभोक्ताओं से घबराहट में खरीदारी न करने की अपील की है। कंपनियों ने आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार है और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह सुचारू है। सरकारी तेल कंपनियों ने बुध ावार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। साथ ही उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर विश्वास न करने तथा घबराहट में ईंधन खरीदने से बचने की अपील की। देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी 'इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन' (आईओसी) ने कहा, ''पेट्रोल या डीजल की कोई कमी नहीं है।'' कंपनी ने बताया कि उसके पेट्रोल पंप पर्याप्त ईंधन से भरे हैं और पूरी तरह संचालित हैं।आईओसी ने आगाह किया कि अफवाहें अनावश्यक चिंता पैदा कर सकती हैं और सामान्य आपूर्ति व्यवस्था को बाधित कर सकती हैं। कंपनी ने लोगों से घबराहट में खरीदारी से बचने और केवल सत्यापित जानकारी पर भरोसा करने को कहा है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने कुछ क्षेत्रों में ईंध ान की कमी की खबरों को ''पूरी तरह निराधार'' बताया और कहा कि पूरे देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है।कंपनी ने कहा कि भारत पेट्रोल एवं डीजल का शुद्ध निर्यातक है और उसके पास कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल तथा विमानन ईंधन (एटीएफ) का पर्याप्त भंडार है। आपूर्ति श्रृंखला बिना किसी व्यवधान के सुचारु रूप से जारी है। बीपीसीएल ने कहा कि कंपनी पूरी तरह संचालित है और निर्बाध ा ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने भी कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति स्थिर है तथा भंडार पर्याप्त है।कंपनी ने ग्राहकों को अफवाहों से गुमराह न होने एवं घबराहट में खरीदारी न करने की सलाह देते हुए कहा कि वे सामान्य खपत 'पैटर्न' बनाए रखें। एचपीसीएल ने अपने नेटवर्क में निर्बाध और सुचारु ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं।

धुरंधर 2 का दुनियाभर में भौकाल, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 800 करोड़ पार, तोड़े 8 फिल्मों के रिकार्ड, 5 दिन में इंडिया नेट कलेक्शन 500 करोड़ के पार

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2, बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों से कहीं ज्यादा शानदार परफॉर्म कर रही है. रणवीर सिंह स्टारर ये फिल्म देश और दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है. धमाकेदार ओपनिंग वीकेंड के बाद इसने पहले मंडे टेस्ट में भी टॉप किया है और जबरदस्त कलेक्शन के साथ कई फिल्मों का रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिया है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं धुरंधर 2 ने 5वें दिन वर्ल्डवाइड कितनी कमाई कर डाली है.रणवीर सिंह की स्पाई एक्शन थ्रिलर धुरंधर 2 की दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोल रही है. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि शानदार ओपनिंग वीकेंड के बाद इसे देखने के लिए वीकडेज में भी भारी संख्या में दर्शक थिएटर पहुंच रहे हैं और इसी के साथ इसके कलेक्शन रजिस्टर के आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं. रिलीज के महज 5 दिनों में इस फिल्म ने इतनी ज्यादा कमाई कर डाली है कि ये अपने प्रीक्वल के रिकॉर्ड को तोड़ने से बस कुछ ही दूर रह गई है.धुरंधर 2 की विदेशों में कमाई की बात करें तो इसने 210.00 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे इसका कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 829.76 करोड़ तक पहुंच गया है. इसके साथ ही, फिल्म ने शुरुआती बॉक्स ऑफिस रफ्तार के मामले में कई बड़ी हिंदी और पैन–इंडिया रिलीज फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है – जिनमें पठान, जवान, केजीएफ 2 और आरआरआर शामिल हैं। और इस तरह यह हाल के सालों में सबसे तेजी से कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है. इन सबके बीच फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक धुरंधर 2 ने 5वें दिन भारत में 20,382 शो में कुल 65.00 करोड़ रुपये नेट कमाए हैं. ये पिछले दिन के नेट कलेक्शन 114.85 करोड़ से 43.4 प्रतिशत कम है. इसके साथ ही, इसका कुल इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 619.76 करोड़ हो गया है, जबकि अब तक का कुल इंडिया नेट कलेक्शन 519.12 करोड़ रुपये है.धुरंधर 2 हर दिन इतिहास लिख रही है. रिलीज के महज 5 दिनो में विदेशों में 800 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली ये बॉलीवुड की सबसे तेज फिल्म बन गई है. अब इसका टारगेट 1000 करोड़ के क्लब में एंट्री करना है. फिल्म जिस रफ्तार से बॉक्स ऑफिस पर दौड़ रही है उसे देखते हुए दूसरे वीकेंड से पहले ही फिल्म ये आंकड़ा छू लेगी. इसी के साथ धुरंधर 2 अपने प्रीक्वल के वर्ल्डवाइड 1300 करोड़ के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच जाएगी. फिलहाल फिल्म की धुआंधार रफ्तार देखते हुए लग रहा है कि ये दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली आमिर खान दी दंगल को भी धूल चटा देगी. धुरंधररू द रिवेंज रिकॉर्ड तोड़ने की होड़ में है. पिछले 48 घंटों में, इसने दुनिया भर में 8 बॉलीवुड फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में संजू (541.76 करोड़), पद्मावत (560 करोड़), टाइगर जिंदा है (562.12 करोड़), सैयारा (570.67 करोड़), केजीएफ चौप्टर 2 हिंदी (583.85 करोड़), सुल्तान (589 करोड़), धूम 3 (601 करोड़), और गदर 2 (685.19 करोड़) शामिल हैं. अब यह दुनिया भर में अब तक की 13वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है!

फिल्म भूत बंगला का दूसरा गाना तू ही दिसदा जारी, खूबसूरत वादियों में खोए अक्षय-वामिका, अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

भारतीय सिनेमा के गलियारों में जब भी कॉमेडी की बात होती है, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी का नाम सबसे पहले लिया जाता है। पूरे 14 सालों के लंबे वनवास के बाद यह कल्ट जोड़ी 10 अप्रैल 2026 को फिल्म भूत बंगला के साथ बड़े पर्दे पर अपनी वापसी दर्ज कराने जा रही है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से बनी यह फिल्म न केवल पुरानी यादों को ताजा कर रही है, बल्कि आधुनिक हॉरर–कॉमेडी के जॉनर में एक नया मील का पत्थर भी स्थापित करने की तैयारी में है।

फिल्म के पहले ट्रैक राम जी आके भला करेंगे की सफलता के बाद मेकर्स ने अब इसका दूसरा गाना तू ही दिसदा रिलीज कर दिया है। जहां पहला गाना फिल्म के माहौल को सेट करता था, वहीं यह नया गाना अक्षय कुमार और वामिका गब्बी के बीच की ताजा और खूबसूरत केमिस्ट्री को उजागर करता है। अरिजीत सिंह और निखिता गांधी की रूहानी आवाजों से सजे इस गीत को झरनों, घनी हरियाली और धुंध से ढके पहाड़ों के बीच फिल्माया गया है। प्रियदर्शन का सिग्नेचर स्टाइल यानी बेहतरीन विजुअल्स और प्राकृतिक सौंदर्य इस गाने के हर फ्रेम में झलकता है, जो इसे इस साल का सबसे बेहतरीन समर लव एंथम बनाता है।भूत बंगला की सबसे बड़ी ताकत इसकी स्टार कास्ट

है। अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे दिग्गजों की वापसी ने दर्शकों के बीच हेरा फेरी और भूल भुलैया वाले दौर की बेताबी पैदा कर दी है। इसके अलावा तब्बू और वामिका गब्बी की मौजूदगी फिल्म में अभिनय की गहराई और नयापन जोड़ती है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, जिसमें प्रियदर्शन के क्लासिक वन–लाइनर्स और डरावने लेकिन मजाकिया दृश्यों की झलक मिलती है। यह साफ है कि मेकर्स पुरानी यादों और नए जमाने के हॉरर का एक सटीक मिश्रण लेकर आ रहे हैं।बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले एकता आर कपूर, शोभा कपूर और स्वयं अक्षय कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई गई है। फिल्म का बज इस कदर है कि इसे 2026 की सबसे बड़ी फिल्मों की श्रेणी में रखा जा रहा है। 10 अप्रैल की रिलीज डेट जैसे–जैसे करीब आ रही है, फैंस के बीच अक्षय और प्रियदर्शन की उस टाइमिंग को फिर से देखने की होड़ मची है जिसने सालों पहले गरम मसाला और खट्टा मीठा जैसी फिल्में दी थीं।

धुरंधर 2 ने बिगाड़ दिया उस्ताद भगत सिंह का खेल, मडे टेस्ट में बुरी तरह फेल हुई पवन कल्याण की फिल्म, शाकिंग है कलेक्शन

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधररू द रिवेंज के तूफान के बीच, पवन कल्याण, श्रीलीला और राशि खन्ना की लेटेस्ट रिलीज फिल्म उस्ताद भगत सिंह को जबरदस्त झटका लगा है. दिलचस्प बात ये है कि रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर और पवन कल्याण की तेलुगु एक्शन–कॉमेडी फिल्म का 19 मार्च को क्लैश हुआ था. जहां धुरंधर 2 पहले दिन से बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है तो वहीं पवन कल्याण की फिल्म ने ओपनिंग तो अच्छी की लेकिन ये दूसरे ही दिन लुढक गई. अब मंडे टेस्ट में तो इसका बुरा हाल हो गया है. जानते हैं उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के 5वें दिन यानी मंडे को कितना कलेक्शन किया है.पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह से काफी उम्मीदें थी लेकिनधुरंधर 2 के ब्लॉकबस्टर तूफान ने इसका सारा खेल बिगाडॉ कर रख दिया. हालांकि ओपनिं वीकेंड तक उस्ताद भगत सिंह ने बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनाई हुई थई लेकिन वीकडेज में एंट्री करते ही इसका बंटाधार हो गया है. हैरानी की बात ये है कि धुरंधर 2 ने तेलुगु भाषी क्षेत्रों में भी उस्ताद भगत सिंह पर बढ़त बना ली है. इसी के साथ पवन कल्याण की फिल्म मंडे टेस्ट में फिसड्डी साबित हुई है.फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के पहले दिन 34.75 करोड़ कमाए थे. इसके बाद फिल् मने दूसरे दिन 9 करोड़, तीसरे दिन 9.05 करोड़ और चौथे दिन 7.50 करोड़ का कलेक्शन किया. वही सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के 5वें दिन 1.96 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ उस्ताद भगत सिंह की पांच दिनों की कुल कमाई अब 62.2उस्ताद भगत सिंह के बारे मेंउस्ताद भगत सिंह को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 5 दिन हो चुके हैं लेकिन ये फिल्म अपना आधा बजट भी अभी वसूल नहीं कर पाई है. बता दें कि इस फिल्म की लागत 150 करोड़ बताई जा रही है. वहीं इसके साथ रिलीज हुई धुरंधर 2 पांच दिनों में भारत में 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है. ऐसे में उस्ताद भगत सिंह के लिए अपना बजट वसूल करना मुश्किल लग रहा है क्योंकि इसकी कमाई में लगातार गिरावट देखी जा रही है और इसमें बढ़त की गुंजाइश ना के बराबर लग रही है. इस हाल में उस्ताद भगत सिंह पर फ्लॉप होने का खतरा मंडराने लगा है. हरीश शंकर के निर्देशन में बनी उस्ताद भगत सिंह, एटली और विजय की 2016

की फिल्म थेरी का अडैप्टेशन है. इस फिल्म का प्रोडक्शन 2023 से चल रहा है और इसमें श्रीलीला और राशि खन्ना भी अहम किरदारों में हैं. फिल्म का म्यूजिक और बैकग्राउंड स्कोर देवी श्री प्रसाद और थमन एस ने तैयार किया है.फिल्म में आशुतोष राणा, नवाब शाह, बीएस अविनाश , आर पार्थिबन, गौतमी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं. हरीश और पवन की यह दूसरी फिल्म हैय इससे पहले 2012 में उनकी हिट फिल्म गब्बर सिंह आई थी, जो 2010 की हिट फिल्म दबंग का रीमेक थी.

सान्या मल्होत्रा ने शुरू की सुंदर पूनम की शूटिंग, वास्तविक घटना से प्रेरित है फिल्म!

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सुंदर पूनम की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है।सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को–स्टार्स के साथ कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं।वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा– सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। वहीं फिल्म में सान्या के साथ आदित्य रावल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट प्राइम वीडियो के 2026 के स्लेट का हिस्सा है।हाल ही में फिल्म मेकर्स ने सुंदर पूनम का फर्स्ट लुक वीडियो जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन बनी नजर आई। वीडियो में देखा जा सकता है कि सान्या के किरदार पूनम का फोन लगातार रिंग हो रहा है, जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहे हैं। आखिर में दुल्हन बनी सान्या मुस्कुराती है और इसके बाद एक खबर की आवाज सुनाई देती है कि एक शादीशुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो सुंदर पूनम में लव स्टोरी के साथ–साथ सस्पेंस और क्राइम का तड़का भी देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कहा जा रहा है कि यह 2025 में सामने आए एक चर्चित हनीमून मर्डर केस पर आधारित हो सकती है, जिसमें शादी के

तुरंत बाद एक कारोबारी की हत्या कर दी गई थी।इस फिल्म में एक नया शादीशुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। इस दौरान उनके अचानक लापता होने की खबर सामने आती है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा हैरान करने वाला सच भी सामने आता है। फिल्म की कहानी दर्शकों को चौंका देगी।

राम चरण की पेड्डी के टीजर रिलीज पर आया अपडेट, जानकर झूम उठेंगे फैंस

राम चरण की फिल्म पेड्डी साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस फिल्म के 2 गानों चिकरी चिकरी और राय राय रा रा को बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है जिसके बाद से लोगों की उत्सुकता चरम पर है। इस बीच, खबर है कि निर्माता ज्यादा इंतजार न कराते हुए पेड्डी के टीजर जारी करने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए राम चरण के जन्मदिन से बेहतर दिन कोई नहीं हो सकता।के मुताबिक, पेड्डी का टीजर 27 मार्च, यानी राम चरण के जन्मदिन पर जारी होने की उम्मीद है। यह भी बताया गया है कि प्रमोशनल टीजर की अवधि सिर्फ 40 सेकंड की होगी। निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है, लेकिन अगर यह अपडेट सच साबित हुआ तो देखना दिलचस्प होगा कि अभिनेता दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाते हैं। बता दें, राम चरण की पिछली रिलीज फिल्म गेम चेंजर (2025) खास सफल नहीं रही थी।पेड्डी मल्टी–स्पोर्ट ड्रामा फिल्म है जो विजयनगरम की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। निर्माताओं द्वारा इसकी रिलीज तारीख को आगे खिसकाते हुए अब 30 अप्रैल, 2026 तय कर दिया गया है। इसका निर्माण वृद्धि सिनेमाज बैनर के तहत वेंकट सतीश किलारू द्वारा किया गया है जिसमें

अभिनेता के साथ, जाह्नवी कपूर मुख्य किरदार में नजर आएंगी। शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। फिल्म में संगीत एआर रहमान ने दिया है।

टोविनो थामस अभिनीत फिल्म पल्लीचट्टाम्बी का नया पोस्टर जारी, 10 अप्रैल को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में होगी रिलीज

डिजो जोस एंटनी द्वारा निर्देशित और टोविनो थॉमस अभिनीत फिल्म पल्लीचट्टाम्बी का नया पोस्टर जारी कर दिया गया है। यह पोस्टर फिल्म की नायिका कयादु लोहार की एकल प्रस्तुति है। पोस्टर में फिल्म की रिलीज तिथि भी बताई गई है। मलयालम समेत पांच भाषाओं में पोस्टर जारी किए गए हैं। पल्लीचट्टाम्बी 10 अप्रैल को विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।पल्लीचट्टाम्बी में मुख्य अभिनेत्री के रूप में कायदु लोहार की घोषणा का वीडियो पहले ही काफी चर्चा में रहा था। तमिल की सुपरहिट फिल्म ड्रैगन में नायिका की भूमिका निभाने के बाद कायदु दक्षिण भारतीय सिनेमा के दर्शकों की चहेती बन गईं। पल्लीचट्टाम्बी में टोविनो थॉमस एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण नौफल और बृजेश ने वर्ल्डवाइड फिल्म्स के बैनर तले किया है, जबकि चाणुक्य, चौतन्य और चरण ने सी क्यूब ब्रदर्स एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले इसका निर्माण किया है। फिल्म मलयालम समेत पांच भाषाओं में रिलीज हो रही है। पटकथा एस. सुरेश बाबू ने लिखी है।पल्लीचट्टाम्बी फिल्म में मुख्य महिला किरदार में कायादु लोहार के अलावा विजय राघवन, सुधीर करमना, बाबूराज, विनोद केदामंगलम, प्रशांत एलेक्स और कई अन्य प्रमुख कलाकार भी हैं।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज हो रही सितारे जमीन पर, 3 अप्रैल से सोनी लिव पर होगी स्ट्रीम

अभिनेता आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब आमिर खान की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। जानिए किस प्लेटफॉर्म पर कब रिलीज हो रही है शसितारे जमीन परय।सोनी लिव ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि फिल्म 3 अप्रैल 2026 से उनके प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू हो जाएगी। यह तारीख गुड फ्राइडे के लंबे वीकेंड के साथ आ रही है। आमिर खान की इस फिल्म को लेकर उनके फैंस बेहद खुश हैं कि अब वह आमिर की फिल्म को ओटीटी पर घर बैठे देख सकेंगे। पहले आमिर खान ने कहा था कि फिल्म सितारे जमीन पर ओटीटी पर बिल्कुल नहीं आएगी।

उन्होंने कहा था कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद इसे सीधे यूट्यूब पर 100 रुपये के किराए पर देखा जा सकेगा। लेकिन अब यह फैसला बदल गया है क्योंकि अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। सितारे जमीन परय में आमिर खान एक बास्केटबॉल कोच का रोल निभाते नजर आए। उन्हें शराब पीकर गाड़ी चलाने के जुर्म में पकड़ा जाता है और अदालत उन्हें न्यूरोडाइवर्जेंट बच्चों को बास्केटबॉल सिखाने का काम सौंपती है। फिल्म को रिलीज के समय अच्छी समीक्षाएं मिलीं। अब शसितारे जमीन परय को दर्शक 3 अप्रैल 2026 को घर बैठे ओटीटी पर देख सकेंगे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।